दैनिक

लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-67 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, मंगलवार 24 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव यूपीएससी-2025 में चयनित अभ्यर्थियों से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में किया संवाद

यूपीएससी परीक्षा की सफलता में म.प्र. की बढ़ती उपस्थिति हम सबके लिए गौरव का विषय:मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा की सफलता में मध्यप्रदेश की बढ़ती उपस्थिति हम सबके लिए गौरव का विषय है। प्रदेश की माटी से 61 सिलेक्शन बदलते मध्यप्रदेश की तस्वीर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूपीएससी-2025 की परीक्षा में चयनित सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह आपके संकल्प और सामर्थ्य का सम्मान है। चयनित अभ?यर्थी वर्ष-2047 के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के शिल्पकार हैं। जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष मना रहा होगा, तब आप प्रशासन के शिखर पर होंगे। आपका एक-एक निर्णय, एक-एक नवाचार, विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की नीव रखेगा। नियति ने आप सबको महत्वपूर्ण दायित्व के लिए चुना है।

चयनित अभ्यर्थियों पर केंद्रित लघु फिल्म का हुआ प्रदर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चयनित अभ्यर्थियों पर केंद्रित मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं का परचम पुस्तिका के डिजिटल वर्जन का रिमोट के माध्यम से लोकार्पण किया। चयनित अभ्यर्थियों पर केंद्रित लघु फिल्म का इस अवसर पर प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चयनित अभ्यर्थियों को ट्रॉफी भेंट कर उनका सम्मान किया।

अंत्योदय, नवाचार, ईमानदारी और सत्य निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को आगे बढ़ाने का समय है। मानवीय कार्यों के आधार पर देश की दुनिया में विशिष्ट पहचान है। चयनित अभ्यर्थी अपने सेवाकाल में अंत्योदय, नवाचार, ईमानदारी और सत्य निष्ठा से कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए आत्मनिर्भर भारत के शिल्पकार बनें। उन्होंने सभी अभ्याार्थियों से जीवन पर्यंत पढ़ने और सीखने की ललक बनाए रखने का आहवान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 173वीं रैंक प्राप्त पूर्णतः दृष्टिहीनता की चुनौतियों से घिरे श्री अक्षत बल्दवा की सराहना करते हुए कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो तो कोई भी शारीरिक अक्षमता सपनों के आड़े नहीं आ सकती।

सोहागपुर और सिरोंज जैसे छोटे शहरों के अभ्यर्थियों का भी हुआ चयन

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा में इस वर्ष देशभर से कुल 958 अभ्यर्थी चयनित हुए। इनमें मध्यप्रदेश के 61 प्रतियोगी शामिल हैं। देश की प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता अर्जित करने वाले हमारे 22 अभ्यर्थी ऐसे हैं, जिन्होंने शासकीय स्कूल - कॉलेज से पढ़ाई की है। प्रदेश के सोहागपुर और सिरोंज जैसे छोटे शहरों से आने वाले अभ्यर्थियों का भी चयन हुआ है। यह सिविल सेवा के प्रति राज्य के युवाओं में बढ़ते रुझान को दर्शाता है। अब यह धारणा धीरे-धीरे समाप्त हो रही है कि सिविल सेवा में चयन के लिए राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थानों अथवा दिल्ली या इंदौर जैसे शहरों में जाकर ही तैयारी करनी होगी। इस अवसर पर अखिल भारतीय स्तर पर 5वीं रैंक प्राप्त श्री ईशान भटनागर और 260वीं रैंक प्राप्त सुश्री प्राची चौहान ने अपने अनुभव साझा किए। श्री भटनागर ने बताया कि गवर्नेंस संवैधानिक मूल्यों को धरातल पर लाने का सही तरीका होता है, यही मेरी प्रेरणा रही। उन्होंने कहा कि प्रशासन के माध्यम से जमीनी स्तर पर काम करते हुए संविधान की मूल भावना के अनुरूप लोगों को न्याय दिलाया जा सकता है।

प्रयागराज में कोल्ड स्टोरेज ढहा

4 लोगों की मौत

मलबे से 17 लोगों को बाहर निकाला, रेस्क्यू जारी; प्रत्यक्षदर्शी बोले- धमाका हुआ था

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे तेज धमाके के बाद कोल्ड स्टोरेज की एक बिल्डिंग ढह गई। मलबे में करीब 20 मजदूर दब गए। अब तक 17 लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है। अभी भी कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।हादसे में 4 मजदूरों की मौत हुई है। मरने वालों में पिलत चौधरी, मशींदर, ज्योतिष और जगदीश शामिल हैं। जगदीश प्रयागराज और बाकी तीनों बिहार के रहने वाले थे। हालांकि, प्रशासन ने अभी मौतों की पुष्टि नहीं की है। प्रशासन 7 जेसीबी से रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहा है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मौके पर हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है, पहले अमोनिया गैस स्टोरेज टैंक में विस्फोट हुआ। इससे आरसीसी पिलर स्ट्रक्चर ढह गया। फिर बिल्डिंग भरभराकर गिर गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया है।

सेंसेक्स में 1500 अंक की गिरावट

ईरान जंग से शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स और निफ्टी धड़ाम, सोना-चांदी भी लुढ़के

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 23 मार्च को बड़ी गिरावट है। सेंसेक्स करीब 1500 अंक की गिरावट के साथ 73,100 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 450 अंक की गिरावट है, ये 22,700 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी और आईटी शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में आज गिरावट है। जब जंग होती है तो आमतौर पर सोना-चांदी महंगा होता है. क्योंकि लोग इन्हें सुरक्षित निवेश मानकर खरीदते हैं. लेकिन इस बार उल्टा हो गया. सोना 5 फीसदी गिर गया और चांदी 6 फीसदी धड़ाम हो गई.

सभी सेक्टर लाल निशान में

सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो सभी सेक्टर लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। ऑटो, मीडिया, बैंकिंग, मेटल और पीएसयू बैंक इंडेक्स में करीब 2 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा रही है। इसके अलावा, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 2 प्रतिशत से ज्यादा घटकर कारोबार कर रहे हैं, जिससे बाजार में कमजोरी का माहौल साफ नजर आ रहा है।

भारतीय बाजार में फिल्स की बिकवाली

विदेशी संस्थागत निवेशक ने 20 मार्च को 5,518 करोड़ की नेट बिकवाली की। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस दौरान ?5,706 करोड़ की खरीदारी की। अब तक मार्च में फिल्स 86,780 करोड़ निकाल चुके हैं। वहीं डिल्स ने 101,168 करोड़ की खरीदारी की है।

क्रूड की कीमतें 1 प्रतिशत बढ़कर 106 डॉलर प्रति बैरल हुईं

अमेरिका और इजराइल की ईरान के साथ जारी जंग के बीच आज कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। ब्रेट क्रूड आज 1 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 108 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा है। वहीं इंडियन बास्केट की कीमतें 156 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है।

पश्चिम-एशिया संकट पर मोदी बोले-

होर्मुज का रास्ता रोकना नामंजूर

नागरिक-एनर्जी ठिकानों पर हमले का विरोध किया, कहा- 41 देशों से तेल-गैस इंपोर्ट कर रहे

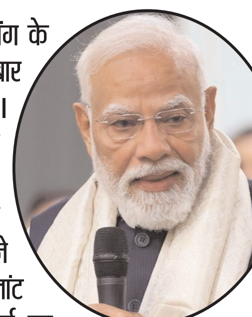

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जंग के हालातों पर पीएम मोदी ने पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच में उन्होंने कहा कि तनाव खत्म होना चाहिए। बातचीत से ही समस्या का समाधान है। पीएम ने कहा कि नागरिकों और पावर प्लांट पर हमले मंजूर नहीं हैं। होमुर्ज का रास्ता रोकना स्वीकार नहीं होगा। पीएम ने कहा- 'सरकार की कोशिश है कि देश में तेल-गैस संकट न हो। इसके लिए 27 की जगह अब 41 देशों से इंपोर्ट कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।' उन्होंने बताया कि अभी 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। 700 से ज्यादा मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं।

जमाखोरी करने वालों पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा

वेस्ट एशिया विवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- हमें हर चुनौती का सामना सब्र, संयम और शांत मन से करना चाहिए। यही हमारी पहचान है, यही हमारी ताकत है। हमें बहुत सावधान और सतर्क भी रहना चाहिए। जो लोग हालात का फायदा उठाना चाहते हैं वे झूठ फैलाने की कोशिश करेंगे। हमें उनकी कोशिशों को कामयाब नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं देश की सभी राज्य सरकारों से भी सदन के माध्यम से आग्रह करूंगा ऐसे समय में कालाबाजारी करने वाले जमाखोरी करने वाले एक्टिव हो जाते हैं। इसके लिए कड़ी मॉनीटरिंग जरूरी है। देश की हर सरकार और देश का हर नागरिक जब मिलकर चलेंगे तो हम हर चुनौती को चुनौती दे सकेंगे।

न्यूक्लियर एनर्जी उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा

पीएम मोदी ने कहा कि 11 साल में देश में अपने सोलर पावर कैपिसिटी 140 गीगा वॉट तक पहुंचाई है। 40 लाख रूफ टॉप सोलर पैनल लगे हैं। गोवर्धन योजना के तहत 200 बायोगैस प्लांट काम कर रहे हैं। सरकार ने भविष्य की तैयारी बढ़ाते हुए शांति एप माध्यम से न्यूक्लियर एनर्जी उत्पादन को बढ़ावा दिया है। अगले 5 साल में 1500 मेगावॉट नई हाइड्रो पावर कैपिसिटी जोड़ी जाएगी।

असम: भाजपा को बड़ा झटका

मंत्री नंदिता गरलोसा ने छोड़ी पार्टी कांग्रेस के टिकट पर लड़ेंगी चुनाव

गुवाहाटी, एजेंसी

असम की राजनीति में चुनाव से पहले बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। राज्य सरकार की मंत्री नंदिता गरलोसा ने भारतीय जनता पार्टी छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया है। पार्टी के बयान के अनुसार, गरलोसा आगामी विधानसभा चुनाव में दीमा हसाओ जिले की हाफलोंग सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरेंगी। इसी बीच मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने हाफलोंग स्थित गरलोसा के घर का दौरा भी किया। हालांकि इस मुलाकात को लेकर दोनों पक्षों ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया।

टिकट कटने के बाद बदला राजनीतिक रुख: भाजपा ने इस बार हाफलोंग सीट से नंदिता गरलोसा की जगह नए चेहरे रूपाली लांगथासा को मौका दिया है। टिकट न मिलने के बाद गरलोसा ने पार्टी से दूरी बना ली और कांग्रेस में शामिल हो गईं। कांग्रेस ने पहले इस सीट से अपने प्रदेश महासचिव निर्मल लंगथासा को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्होंने जनहित में अपना टिकट गरलोसा को देने पर सहमति जताई।

कांग्रेस का दावा- जनता की आवाज हैं गरलोसा

कांग्रेस ने अपने बयान में कहा कि नंदिता गरलोसा पिछले पांच वर्षों से दीमा हसाओ की मजबूत आवाज रही हैं और उन्होंने हमेशा अपने सिद्धांतों के लिए काम किया है।पार्टी ने आरोप लगाया कि हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार जनजातीय जमीनों को कॉरपोरेट्स को सौंपने में ज्यादा रुचि रखती है।

भारत में बढ़ रहा सूखे का संकट

तपती जलवायु, घटती वर्षा और भूजल दोहन ने बढ़ाई चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में सूखे का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। इसका सबसे गंभीर असर गंगा के मैदानी क्षेत्र और पूर्वोत्तर भारत में देखा जा रहा है। हालिया वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार कमजोर मानसून, बढ़ते तापमान और भूजल के अत्यधिक दोहन ने देश में जल संकट को एक नए और खतरनाक स्तर पर पहुंचा दिया है। जर्नल क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार भारत के छह प्रमुख क्षेत्रों पश्चिमी, केंद्रीय, हिमालयी, आईजीपी, प्रायद्वीपीय और उत्तर-पूर्वी भारत में सूखे और हाइड्रो-क्लाइमेटिक अस्थिरता में स्पष्ट वृद्धि दर्ज की गई है। एसपीईआई, एसएलए और एनसीएस जैसे सूखा मापने के संकेतकों से पता चलता है कि देश में शुष्कता तेजी से बढ़ रही है और जलवायु के नए असामान्य पैटर्न बन रहे हैं। आईजीपी (-0.47) और उत्तर-पूर्व (-0.41) में एसपीईआई मान सबसे अधिक गिरावट दर्शाते हैं, जो गंभीर सूखे का संकेत हैं। हिमालय (-0.21) और मध्य भारत (-0.07) अपेक्षाकृत कम प्रभावित हैं। विशेषज्ञों के अनुसार दिन और रात दोनों समय तापमान में वृद्धि और वर्षा में कमी से इन क्षेत्रों में नमी तेजी से घट रही है।

राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा

यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी की ग्लोबल वाटर बैंकरप्सी रिपोर्ट के अनुसार जल संकट अब केवल पर्यावरणीय नहीं बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन चुका है। विशेषज्ञ कावेह मदानी के मुताबिक जल संसाधनों की कमी भविष्य में देशों और समाजों के बीच संघर्ष को बढ़ा सकती है।

ट्रम्प बोले-ईरानी पावर प्लांट्स पर 5 दिन हमला नहीं करेंगे:बातचीत के बाद फैसला;ईरानी मीडिया बोला-

कोई बात नहीं हुई, चेतावनी से डरा अमेरिका

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के पावर प्लांट्स और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले हमलों को फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों से चली बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि पावर प्लांट्स और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर सभी सैन्य हमलों को 5 दिनों के लिए रोक दिया जाए। ट्रम्प ने कहा कि अगर बातचीत सफल रहती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव को खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा सकता है। दरअसल ट्रम्प ने दो दिन पहले ईरान को धमकी दी थी कि अगर 48 घंटे में होर्मुज रूट नहीं खोला गया तो वो ईरान के पावर प्लांट पर बड़ा हमला करेंगे। वहीं, ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ट्रम्प के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। ट्रम्प ईरान की चेतावनी के बाद पीछे हट गए हैं।

ईरानी बोला-अमेरिका से कोई बातचीत नहीं हुई

ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उनकी अमेरिका से किसी भी तरह की बातचीत नहीं हो रही है और न ही वे बातचीत करने की स्थिति में हैं।

मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मंत्रालय ने कहा कि ट्रम्प ऊर्जा कीमतों को कम करना चाहते हैं और अपने प्लानिंग के लिए वक्त हासिल करना चाहते हैं। इसलिए वे ऐसे बयान दे रहे हैं। बयान में यह भी कहा गया कि क्षेत्रीय देशों की ओर से तनाव कम करने की पहल हो रही है, लेकिन उनकी चिंताओं को अमेरिका के सामने रखा जाना चाहिए, क्योंकि युद्ध की शुरुआत उसी ने की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने रचा इतिहास, सबसे लंबे वक्त तक सरकार चलाने वाले नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत की राजनीति में एक बड़ा इतिहास रचते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब देश के सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यह उपलब्धि केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि दशकों तक लगातार नेतृत्व, जनसमर्थन और राजनीतिक स्थिरता की कहानी भी है। पीएम मोदी अब तक कुल 8931 दिन सरकार के मुखिया (हेड ऑफ गवर्नमेंट) के रूप में काम कर चुके हैं। इसमें उनका गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शामिल है। इससे पहले यह रिकॉर्ड पवन कुमार चामलिंग के नाम था, जिन्होंने 8930 दिन तक सिक्किम के मुख्यमंत्री के तौर पर यह जिम्मेदारी संभाली थी।

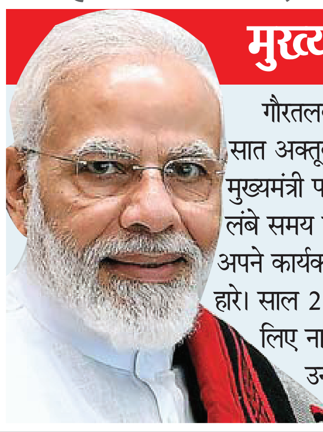

मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक का सफर जारी

गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने सात अक्तूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। वह लंबे समय तक इस पद पर बने रहे और अपने कार्यकाल में कभी चुनाव नहीं हारे। साल 2014 में प्रधानमंत्री पद के लिए नाम सामने आने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर प्रधानमंत्री पद संभाला। इसके बाद 2019 और 2024 में भी उन्होंने लगातार जीत दर्ज की। खास बात यह है कि अपने पूरे राजनीतिक करियर में उन्होंने कोई बड़ा चुनाव नहीं हारा है।

भारत दुनिया का मजबूत देश

इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं और भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक मजबूत देश बनकर उभरा है।

अपने सफर को किया याद

पीएम मोदी ने अपने सफर को याद करते हुए बताया कि जब उन्होंने 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में काम शुरू किया, तब राज्य कई बड़ी मुश्किलों से गुजर रहा था। गुजरात भूकंप, चक्रवात, सूखा और राजनीतिक अस्थिरता जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों ने उन्हें और मजबूत बनाया।

हरियाणा में बेकाबू कैंटर ने 7 लोगों को रौंदा

झज्जर। हरियाणा के झज्जर में सोमवार की दोपहर एक कैंटर ने सात लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तेज रफ्तार की वजह से हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पहले टैंकर ड्राइवर ने सड़क पार कर रहे दो युवकों को कुचला।

संक्षिप्त समाचार

भगवान श्री राम की शोभा यात्रा में अपनी सहभागिता निभाएगी विन्ध्य विकास फोरम : योगेश शर्मा

सतना। विन्ध्य विकास फोरम की अहम बैठक रविवार को फोरम कार्यालय कमला मार्केट में सम्पन्न हुई जिसमें सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि रामनवमीं के उपलक्ष्य में हिन्दू पर्व समन्वय समिति द्वारा निकाली जाने वाली मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम की शोभा यात्रा में अपनी भी सहभागिता सुनिश्चित करेगा फोरम द्वारा जनजागरण के लिए पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण से सम्बंधित झांकी भी उक्त शोभा यात्रा में निकाली जाएगी। उक्त आशय की जानकारी फोरम के उपाध्यक्ष योगेश शर्मा द्वारा दी गयी। बैठक में मुख्यरूप से फोरम के अध्यक्ष राजीव गुप्ता, प्रणय धराधर, राकेश त्रिपाठी, हरिओम गुप्ता, गौरव प्रताप सिंह, राजकुमार अग्रवाल, शिवराम द्विवेदी, जितेंद्र सिंह सोमवंशी, अशोक निगम, , अजय कुमार शर्मा, संजीव श्रीवास्तव, प्रदीप अवस्थी, मनोज पाण्डेय सहित अन्य सदस्य गण उपस्तिथ रहे।

कर्मक्षेत्र : 25 वर्षो से सेवा की मिसाल, भीषण गर्मी में भी सेवा वाहिनी के स्वयंसेवक डटे

नवरात्रि मेले में जल सेवा, चिकित्सा, भोजन और जनजागरूकता के साथ निभा रहे मानवता का धर्म

नगर संवाददाता, सतना।

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर मां शारदा धाम मैहर में सेवा वाहिनी के स्वयंसेवक पिछले 25 वर्षों से निरंतर निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करते आ रहे हैं। जिला प्रशासन मैहर एवं मंदिर प्रबंधन समिति के मार्गदर्शन में इस वर्ष भी स्वयंसेवक पूरे समर्पण और अनुशासन के साथ श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हुए हैं। नवरात्रि पर भीषण गर्मी के बीच स्वयं सेवकों द्वारा दर्शनार्थियों के लिए 'निःशुल्क जल सेवा, चिकित्सा सुविधा एवं भोजन व्यवस्था' सुनिश्चित की जाती है। इसके साथ ही 'स्वच्छता अभियान, नशा उन्मूलन और जल संरक्षण' जैसे सामाजिक संदेशों के माध्यम से जनमानस को जागरूक किया जा रहा है।

मानवता की मिसाल की पेश

सेवा कार्यों के दौरान स्वयं सेवकों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए बिछड़े हुए परिवारों को मिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी क्रम में वरिष्ठ स्वयं सेवक 'मानिक लाल वर्मा एवं पूरन पटेल' ने एक असहाय दर्शनार्थी को व्हीलचेयर के माध्यम से मां शारदा के दरबार तक पहुंचाकर दर्शन करवाए। वहीं, पन्ना खेड़ा से आई श्रद्धालु 'अलका ठाकुर' का मुंडन कक्ष में खोया मोबाइल फोन सेवा वाहिनी के सचिव 'अतुल वर्मा' द्वारा खोजकर सुरक्षित लौटाया गया, जिससे उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

स्वयं सेवक पूरी निष्ठा से जुटे

मंदिर परिसर में भीड़ नियंत्रण, अन्नकूट प्रसाद वितरण, निःशुल्क जल सेवा एवं अन्य व्यवस्थाओं में स्वयं सेवक पूरी निष्ठा से जुटे हैं। 'रुचि शुक्ला, दीपाली नामदेव, अनुज साकेत, मनीष साहू, शुभम विश्वकर्मा, अभयराज पाल' सहित कई स्वयंसेवक विभिन्न दायित्वों का सफलता पूर्वक निर्वहन कर रहे हैं इसके अतिरिक्त 'अनिकेत पाल' मेला कंट्रोल रूम में सेवाएं दे रहे हैं, जबकि अन्य स्वयं सेवक मेला परिसर में उद्घोषणा, प्याऊ संचालन, बिछड़े लोगों को मिलाने तथा पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति जैसे अभियानों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सेवा वाहिनी के सचिव 'अतुल वर्मा' एवं वरिष्ठ स्वयं सेवकों के नेतृत्व में यह सेवा कार्य न केवल श्रद्धालुओं के लिए सहायक साबित हो रहा हैए बल्कि समाज में सेवा, समर्पण और मानवता का संदेश भी प्रसारित कर रहा है।

विश्व हिंदू परिषद की बैठक श्री राम उत्सव पैलेस में संपन्न

नगर संवाददाता, सतना।

विश्व हिंदू परिषद की बैठक उत्सव पहले सतना में हुई जिसमें हिंदू परिषद के केंद्रीय सह मंत्री गोविंद सेंडी , सुनील शर्मा, प्रांत उपाध्यक्ष सीमा सिंह, और विभाग मंत्री विपिन सिंह मनचासीन रहे, केंद्रीय मंत्री ने बच्चो को संस्कार युक्त बना कर समाज में परिवर्तन की योजना बताई कहा राम को जानो लिकिन उससे ज्यादा राम की मानो की बात पर काम करना होगा बैठक में जिला उपाध्यक्ष नरेश शुक्ला राज बहादुर मिश्रा जिला अध्यक्ष मैहर सुरेंद्र सिंह रविंद्र सिंह सचिन शुक्ला विजय गुप्ता लक्ष्मीकांत द्विवेदी सत्य प्रकाश द्विवेदी,राम जी गुप्ता, रजनी गुप्ता, प्रशांत सिंह अशोक पटेल जितेंद्र सिंह आदर्श त्रिपाठी सूजल बाल्मीक़ उपस्थित रहे

राष्ट्रीय कबड्डी फेडरेशन कप सम्पन्न

राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता ने हमें किया गौरवान्वित : सांसद

नगर संवाददाता, सतना।

जिला अमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के आयोजन में बाबूपुर नीमी स्थित नरेंद्र दमोदरदास मोदी स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय फेडरेशन कप महिला.पुरुष कबड्डी चैम्पियनशिप का रविवार को भव्य समापन हुआए जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद गणेश सिंह शामिल हुए और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पिछले चार दिनों से कबड्डी के इस आयोजन के माध्यम से सतना का नाम पूरे देश में बार.बार लिया जा रहा हैए जो किसी भी जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आज के समय में राष्ट्रीय स्तर के खेलों को देखने के लिए लोग हवाई जहाज से यात्रा कर स्टेडियम तक पहुंचते हैं, ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह का बड़ा आयोजन होना और भी महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जिस स्टेडियम में यह प्रतियोगिता आयोजित की गईए वह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर है और यहां राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का सफल आयोजन अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

ये रहे मौजूद

समापन कार्यक्रम में महापौर योगेश ताम्रकार, विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा, अध्यक्ष एमेच्योर कबड्डी धर्मेंद्र सिंह बराज, सुधा सिंह, संतोष सिंह, छवि त्रिपाठी, उमेश प्रताप सिंह, अग्निवेश शुक्ला, हरिओम गुप्ता, पंकज सिंह, राकेश प्रताप सिंहए राकेश अग्निहोत्री, अफसर सकरिया,अतुल सिंह, पुनीत सिंह, डॉ विपिन दुबे, नीरज शुक्ला, इंद्रमणी द्विवेदी, द्वारिका मिश्रा, मोतीलाल कुशवाहा, महेश कुशवाहा, अमित दुबे, रावेन्द्र सिंह, बलवान सिंह, पुष्पराज सिंह, उमेश चौधरी, प्रहलाद सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह पप्पू सहित बड़ी संख्या खेल प्रेमी मौजूद रहे।

श्री रामनवमी महोत्सव की गूंज : व्यंकटेश व कृष्णा नगर' 'शक्ति केंद्र की रैली आज

घर-घर आमंत्रण के संकल्प के साथ निकलीं जागरण यात्राएं, रामभक्ति में डूबा शहर

नगर संवाददाता, सतना।

हिंदू पर्व समन्वय समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले पावन श्री रामनवमी महोत्सव की तैयारियां पूरे उत्साह और धार्मिक उमंग के साथ जारी हैं। अबकी बार दृ हर परिवार के संकल्प को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के उद्देश्य से बीते चार दिनों से लगातार श्री राम जागरण यात्राएं निकालकर घर-घर आमंत्रण पत्र पहुंचाए जा रहे हैं। संपूर्ण शहर राममय वातावरण में डूबा नजर आ रहा है। इसी क्रम में आज सोमवार 23 मार्च को प्रातः 7:30 बजे व्यंकटेश शक्ति केंद्र की भव्य श्री राम जागरण रैली व्यंकटेश मंदिरए मुख्तियार गंज से प्रारंभ होगी। वहीं श्री कृष्णा नगर शक्ति केंद्र की रैली सायं 4 बजे खेर माई मंदिर से निकलेगी। रैलियों के माध्यम से राम भक्तों को श्री रामनवमी महोत्सव में सहभागी बनने का निमंत्रण दिया जाएगा। हिंदू पर्व समन्वय समिति के अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी ने समस्त रामभक्तों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन रैलियों में शामिल होकर आयोजन को ऐतिहासिक और भव्य बनाएं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आयोजन नहींए बल्कि हमारी आस्थाए संस्कृति और एकता का प्रतीक है।

चिन्मय शक्ति केंद्र की रैली में उमड़ा राम भक्तों का सैलाब

रविवार प्रातः श्री राम जागरण यात्रा कार्यक्रम के अंतर्गत चिन्मय शक्ति केंद्र द्वारा भव्य वाहन रैली का आयोजन किया गयाए जिसमें रामभक्तों का उत्साह देखते ही बनता था। रैली का शुभारंभ हेमचंद्र जायसवाल के निवास से हुआए जहां पं.लोकेश द्वारा विधिवत पूजन-अर्चना संपन्न कराई गई। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी, महेंद्र पांडेय, बालकृष्ण शुक्ला, श्रीमती चिंता जायसवाल, कमलजीत सिंह सेठी, जितेंद्र जैन एवं अमित सोनी ने ध्वज दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली का नेतृत्व अमन पांडेय और किशोर कुचवालिया ने किया।

पूरे मार्ग में श्जय श्रीराम के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। पुलिस प्रशासन की सुदृढ़ व्यवस्था के बीच बड़ी संख्या में रामभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रमुख रूप से राजेश मेहता, प्रदीप सक्सेना, आशीष बाजपेयी, विष्णु गुप्ता, तरुणेंद्र मिश्रा, अभय गौतम, रामायण प्रसाद गौतम, चांदनी श्रीवास्तव, पल्लवी सिंह, राकेश मिश्रा, प्रदीप अवस्थी, के.एल. गर्ग, जितिन यादव, श्यामसुंदर साहू, नंदकिशोर मिश्रा, हरिओम गुप्ता, प्रदीप जैन, विनोद रजक, सुंदरलाल कुशवाहा, श्यामलाल गुप्ता, शैलेंद्र जायसवाल, राजकुमार सिंह, लक्ष्मी कुशवाहा एवं द्वारिका शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धर्म, संगठन और आस्था का अद्भुत संगम

हिन्दू पर्व समन्वय समिति प्रचार प्रसार समिति सदस्य श्याम लाल गुप्ता श्यामू ने बताया कि श्री रामनवमी महोत्सव के अंतर्गत आयोजित हो रही ये जागरण यात्राएं न केवल धार्मिक भावना को प्रबल कर रही हैं, बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य भी कर रही हैं। हर घर तक पहुंचकर दिया जा रहा आमंत्रण, रामभक्ति के साथ सामाजिक एकता का भी संदेश दे रहा है। आगामी दिनों में होने वाले भव्य श्री रामनवमी महोत्सव को लेकर सतना नगरी पूरी तरह राममय होती जा रही है।

राज्यमंत्री ने किया ग्राम बम्हरौला में विकास कार्यों का भूमिपूजन

नगर संवाददाता, सतना।

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास, बेहतर सड़क संपर्क और सामाजिक गतिविधियों के लिए आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध कराना प्राथमिकता में शामिल है। राज्यमंत्री ने कहा कि इन निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और सामाजिक आयोजनों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने रविवार को रैगांव विधानसभा अंतर्गत ग्राम बम्हरौला में विभिन्न विकास कार्यों की श्रृंखला में भूमिपूजन किया। राज्यमंत्री ने कार्यक्रम के तहत पतारी टोला में 7 लाख रुपये की लागत से पी.सी.सी. रोड निर्माण, 20 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण तथा पतारी से रनेही मार्ग तक लगभग 400 मीटर लंबाई की ग्रेवल रोड निर्माण कार्य लागत 5 लाख रुपये का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अमर शहीद हेमू कालानी का 103 वाँ जन्मोत्सव आज

नगर संवाददाता, सतना।

नगर की अग्रणी समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति की बैठक रविवार को अमर शहीद हेमू कालानी पार्क परिसर में संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में संस्था के संरक्षण श्रीचंद मनवाणी गोपी गेलानी, मनोहर डिगवानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में कई विषयों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। संस्था के मीडिया प्रभारी अमित कामरानी ने जानकारी देते हुए बताया बैठक में मातृभूमि की रक्षा के लिए शीश चढ़ाने वाले क्रांतिकारी अमर शहीद हेमू कालानी का 103 वां जन्मदिन 23 मार्च सोमवार को प्रातः 9:15 बजे कवर नगर सिन्धी कॉलोनी स्थित अमर शहीद हेमू कालानी पार्क परिसर में महापौर योगेश ताम्रकार स्पीकर राजेश चतुर्वेदी पालन गोपी गेलानी पार्षद मनीष टेकवानी पार्षद की गरिमामय उपस्थिति में बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

बैठक में 27 मार्च को हिंदू पर्व समन्वय समिति द्वारा आयोजित रामनवमी शोभा यात्रा में रक्तदान जागरूकता झांकी निकलने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में संरक्षक श्रीचंद मनवाणी

सिन्धु विकास समिति की बैठक सम्पन्न

गोपी गेलानी मनोहर डिगवानी अध्यक्ष विनोद गेलानी वरिष्ठ उपाध्यक्ष ज्ञान खटवानी इंद्रलाल आडवाणी श्रीचंद शीतलानी गंगाराम सचदेव अशोक चांदवानी रंजीत सेनानी बसंत खत्री मनीष सदानी महेश जनवाणी दीपक वाधवानी जितेंद्र गावरी अमित घोघवानी मनोज सुखदानी अमित कामरानी सागर जसवानी एवं कई सम्माननीय सदस्यगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नागपुर में सतना से जुड़े त्रिलोक महावर के काव्य संग्रह का बहुभाषी लोकार्पण

अंग्रेजी व गुरुमुखी अनुवाद का विमोचन, सतना में रह चुके प्रशासनिक अधिकारी रहे हैं महावर

नगर संवाददाता, सतना।

नागपुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव में बस्तर अंचल के सुप्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार त्रिलोक महावर के चर्चित कविता संग्रह 'नदी के लिए सोचो' के अंग्रेजी और गुरुमुखी पंजाबी अनुवाद का भव्य लोकार्पण किया गया। वर्ष 2021 में हिंदी में प्रकाशित इस कृति को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि त्रिलोक महावर वर्ष 2010 में सतना में एडीएम पद पर पदस्थ रह चुके हैं, जिससे शहर से उनका विशेष जुड़ाव रहा है। उनके इस साहित्यिक उपलब्धि पर सतना के साहित्य प्रेमियों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। समारोह में गुरुमुखी अनुवाद करने वाली अंतरराष्ट्रीय कवयित्री नीतू गुजराल सिंगापुर विशेष रूप से उपस्थित रहीं, वहीं अंग्रेजी अनुवादक गिरीश मेहता ने अपना संदेश प्रेषित किया। कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ.जनक पलटा मगिलिगन, डॉ. कीर्ति काले सहित देश-विदेश के कई साहित्यकारों ने सहभागिता की। वामा विमर्श मंच द्वारा आयोजित इस महोत्सव में स्त्री सशक्तिकरण, साहित्य और संस्कृति पर भी गहन चर्चा हुई। आयोजन में काव्य पाठ और सम्मान समारोह ने उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया।

भजन-कीर्तन, प्रवचनों और भंडारे के बीच सुंदरसाथ ने लिया सेवा व समर्पण का संकल्प

भक्ति और श्रद्धा से सजा प्रणामी मंदिर, बाबा दयाराम जी की स्मृति महोत्सव में उमड़ा आस्था का सैलाब

नगर संवाददाता, सतना।

प्रणामी मंदिर रोड स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में रविवार को बाबा दयाराम जी का स्मृति महोत्सव अत्यंत भक्ति और श्रद्धा के वातावरण में मनाया गया। पूरे मंदिर परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्तिमय माहौल देखने को मिलाए जहां बड़ी संख्या में सुंदरसाथ जी उपस्थित होकर इस पावन अवसर के साक्षी बने। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा.अर्चना और भजन.कीर्तन से हुईए जिसमें महिला मंडल ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से सभी सुंदरसाथ जी को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्ति गीतों की गूंज से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंग गया।

इस अवसर पर महंत साध्वी निर्मला माता जी ने अपने प्रवचन में बाबा दयाराम जी के जीवन और उनके द्वारा निजानंद सम्प्रदाय के लिए किए गए अमूल्य योगदान को विस्तार से बताया। उन्होंने सभी सुन्दरसाथ जी से बाबा जी के बताए मार्ग प्रेम, त्याग और सेवा पर चलने का आह्वान किया। वहीं धर्म उपदेशक देवेंद्र प्रणामी ;भोलू भाई जीद्ध ने बाबा दयाराम जी के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंगों का वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार उनका जीवन समाज के लिए एक आदर्श है। उनके शब्दों ने उपस्थित जनसमूह के हृदय को छू लिया और सभी को आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गयाए जिसमें सभी सुंदरसाथ जी ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान सेवा और सहयोग की भावना भी देखने को मिलीए जहां सुंदरसाथ जी ने मिलकर व्यवस्था संभाली। पूरे आयोजन ने न केवल श्रद्धा का संदेश दियाए बल्कि समाज में एकताए सेवा और आध्यात्मिकता की भावना को भी मजबूत किया।

भव्य श्री रामोत्सव के आयोजन में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

नगर संवाददाता, सतना।

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर शहर के भुंजवा मोहल्ला स्थित लोटन अखाड़ा के पास आयोजित भव्य श्री रामोत्सव का आयोजन 19 मार्च से 27 मार्च तक श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया जा रहा है। आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भगवान श्रीराम एवं खाटू श्याम जी के दिव्य दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

रामोत्सव के चौथे दिन कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मंत्री गोविन्द सेंडे एवं श्रीमती सीमा सिंह उपस्थित रहे। उनके साथ शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कमलेश गुप्ता, अशोक अग्रवाल, अमित अग्रवाल, अनिल गुप्ता, रामकिशोर गुप्ता, दीपक गुप्ता, बनारसी लाल अग्रवाल, राजेंद्र गुप्ता, लवकुश गुप्ता, बबलू श्रीवास्तव का सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस भव्य आयोजन के संयोजक सागर गुप्ता हैंए जिनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित हो रहा है।

प्रतिदिन सायं 6 बजे से महिलाओं द्वारा भजन.कीर्तन, डांडिया, गरबा एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैंए वहीं रात्रि 8:30 बजे महाआरती का आयोजन हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

संदीप बघेल बनाये गये कांग्रेस शहर उपाध्यक्ष

रीवा। रीवा जिले के सामाजिक साहित्यिक मानस मंडल मानस भवन रीवा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संदीप सिंह बघेल को जिला कांग्रेस कमेटी रीवा शहर के उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किये जाने उन्होंने शीर्ष नेतृत्व पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल , प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, जिला अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, महापौर अजय मिश्रा बाबा, पूर्व जिला कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश सिंह, जिला महासचिव रवि तिवारी, शहर अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू, शहर महासचिव सज्जन पटेल के प्रति हार्दिक आभार ज्ञापित किया है।। संदीप सिंह बघेल को जिला कांग्रेस रीवा शहर के उपाध्यक्ष बनायें जाने पर पंकज सिंह पंकू, रमेश सिंह, डॉ. अनूप सिंह, प्रताप सिंह, मानवेन्द्र सिंह नीरज, राजेन्द्र सिंह रिमारी, सतेंद्र सिंह, डॉ. अजित पांडेय, राजेश सिंह, दीपक सिंह, रवि प्रताप सिंह, लोकेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र सिंह , अशोक सिंह, देवेंन्द्र सिंह, प्रमोद सिंह, शिव प्रताप सिंह, पुष्पराज सिंह, नरेश श्रीवास्तव, महेश लालवानी, अशोक सोनी, सुनील गुप्ता, विजय लालवानी, सुजीत पांडेय, राकेश द्ववेदी, अमित शर्मा, देवेश वर्मा, सहित अन्य सदस्यों ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाई दी।

अमर योद्धा डॉ लोहिया व अमर शहीद भगत सिंह की स्मृति पर संगोष्ठी आज

रीवा। देश की आजादी के महान योद्धा समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया की जयंती एवं अमर शहीद भगत सिंह के शहादत दिवस पर समता सम्पर्क अभियान,नारी चेतना मंच, समाजवादी कार्यकर्ता समूह और विंध्यांचल जन आंदोलन के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय पूनम जनमासा नेहरूनगर में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सोमवार 23 मार्च को दिन 2 बजे एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। नारी चेतना मंच की अध्यक्ष साक्षी मोटवानी महंत ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि यह आयोजन ताम्रपत्रधारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ओंकार नाथ खरे के जनशताब्दी वर्ष व्याख्यान माला के अंतर्गत रखा गया है जिसमें देश की आजादी के लिए मर मिटने वाले वीर सपूतों को याद किया जा रहा है। संगोष्ठी में डा लोहिया - भगत सिंह के सपनों का भारत एवं देश की वर्तमान स्थिति पर विचार रखा जाएगा जिसे समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे प्रमुख रूप सम्बोधित करेंगे।

अधिवक्ता केबी सिंह की पत्नी का निधन

रीवा। जिला न्यायालय रीवा के अधिवक्ता व क्रिकेटर केबी सिंह की पत्नी शालिनी सिंह का गत दिवस निधन हो गया। वह 42 साल की थीं और अपने पीछे पुत्र सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गईं। शालिनी वरिष्ठ अधिवक्ता व सेवानिवृत्त वायुसेना अधिकारी राजनिवास सिंह की पुत्रवधू थीं। गंभीर हालत में उन्हें संजय अस्पताल रीवा से एम्स भोपाल ले जाया गया था, जहां अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार मनिकवार वरयांटोला में किया गया। शालिनी के निधन पर अधिवक्ताओं, समाजसेवियों सहित अन्य की ओर से शोक संवेदनाएं व्यक्त की गईं हैं।

पंडित शंभूनाथ शुक्ला स्मरण समारोह में वरिष्ठ पत्रकार मुकुन्द प्रसाद मिश्रा सम्मानित

रीवा, नगर संवाददाता।

देश के वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विंध्य प्रदेश के प्रथम पूर्व मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश के प्रथम पूर्व वन, शिक्षा और वित्त मंत्री पूर्व कुलपति पंडित शंभूनाथ शुक्ला स्मरण समारोह के अवसर पर प्रमुख कार्यक्रम कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया । इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि हाईकोर्ट इंदौर खंडपीठ के न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ला ने विंध्य के वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक बान्धवीय वार्ता मुकुन्द प्रसाद मिश्र को वरिष्ठ पत्रकार एवं स्वाधीनता संग्राम सेनानी पं स्व. चंद्रकांत शुक्ला की स्मृति में आयोजित पत्रकार सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री मिश्र वरिष्ठ पत्रकार को पूर्व में सन् 2007 में आंचलिक पत्रकारिता पुरस्कार बनारसीदास चतुर्वेदी मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्राप्त हो चुका है, पूर्व में सप्रे हाउस भोपाल द्वारा श्री मिश्र को सुदीर्घ पत्रकारिता पुरस्कार राज्य स्तरीय हुकुमचंद नारद 2020 प्राप्त हो चुका है ।

विंध्य गौरव पुरस्कार, पत्रकारिता के क्षेत्र में लेखन, कला और सांस्कृतिक कार्यों के लिए भी कई प्रमुख पुरस्कारों से श्री मिश्र को नवाज जा चुका हैं । विंध्य क्षेत्र में पत्रकारिता के हस्ताक्षर पंडित मुकुन्द प्रसाद मिश्रा पत्रकारिता के साथ-साथ विंध्य और रीवा क्षेत्र में पत्रकारिता पर अनेक पुस्तकों का लेखन भी किया है जिसमें से रीवा जिले की पत्रकारिता, रीवा के गौरव, जगदीश्वर मासिक पत्रिका संपूर्ण पुस्तक का लेखन सहित स्वतंत्रता आंदोलन के जनक रीवा संभाग के अनेक वरिष्ठ जनों की जीवनी सहित वर्तमान में पत्रकारिता विंध्य की सांस्कृति, साहित्यिक और विरासत पुस्तक का लेखन किया जा रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अजय सिंह ब्यूरो चीफ नव स्वदेश ,वरिष्ठ पत्रकार देवेन्द्र सिंह संपादक दैनिक जागरण, एवं मृगेंद्र सिंह ब्यूरो चीफ पत्रिका समाचार पत्र को भी पत्रकारिता पुरस्कार से नवाजा गया है। गरिमामय आयोजन में भाजपा संभागीय संगठन मंत्री रीवा संभाग विजय दुबे, सांसद जनार्दन मिश्रा गिरीश गौतम पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक देवतालाब, मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापति, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, कार्यक्रम के संयोजक अमरकांत शुक्ला एवं आयोजक समीर शुक्ला सहित अन्य प्रमुख गणमान्य जन तथा शहर के विशिष्ट नागरिक गण उपस्थित रहे ।

नरेश काली का हुआ सम्मान

राज कपूर ऑडिटोरियम की पावन धरती पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित चंद्रकांत शुक्ला की स्मृति में वरिष्ठजनों व पत्रकारों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के करकमलों से समाजसेवी विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा के अध्यक्ष नरेश काली का सम्मानित किया गया। नरेश काली को सम्मानित किये जाने पर वरिष्ठ पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत अध्यक्ष दादा प्रहलाद सिंह, महेश ठारवानी, अशोक मंजानी, संदीप गुप्ता, सुधांशु पाठक, मनीष गहोई, अमित ठारवानी, सुमित मांजवानी, विनोद पठान, राजेश वाधवानी, लोकू मोटवानी, श्याम वाधवानी सहित अनेक गणमान्यजनों बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की।

श्री रामजन्मोत्सव की तैयारियां जोरों पर

रीवा, नगर संवाददाता।

अयोध्या में श्री राममंदिर निर्माण के बाद समूचे देश में धार्मिक नवचेतना आयी है। समूचे विन्ध्य में भी श्री रामजन्मोत्सव को धूमधाम से मनाने कई धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं एवं मंदिरो के प्रबन्धकों द्वारा तैय्यारियॉ प्रारंभ कर दी गई है। हिन्दू धर्म परिषद ने रामनवमी के अवसर पर निकलने वाली श्रीराम शोभायात्राओं का जगह-जगह स्वागत करने का निर्णय लिया है। हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी एवं अध्यक्ष रिषिशंकर मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष हिन्दू सनातनी समाज में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। संवत्सर नववर्ष के साथ चैत्र नवरात्रि पर पूरे विन्ध्य में कई भव्य आयोजनों में सभी जाति वर्ग संप्रदाय के लोगो ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर सहभागिता निभाई। आगामी 27 मार्च को रामनवमी के अवसर पर भी श्री रामजन्मोत्सव मनाने के लिये शोभायात्रा श्री राम महाआरती भजन संध्या एवं मिष्ठान वितरण कराये जाने के लिये कई संस्थायें आगे आ रही है।

बसरेही में अस्पताल की मांग, ग्रामीणों का अनशन जारी

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा जिले के जवा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बसरेही में अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों का आमरण अनशन सातवें दिन भी जारी रहा। अस्पताल को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की चर्चा के बाद गांव और आसपास की पंचायतों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा पहले बसरेही में अस्पताल निर्माण के लिए भूमि आवंटित की गई थी, जिससे क्षेत्र के कई गांवों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकती थीं। लेकिन अब अस्पताल को ऐसी जगह ले जाने की तैयारी की जा रही है जहां जनसंख्या कम है, जिससे क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

ग्रामीणों के अनुसार अस्पताल नहीं होने के कारण उन्हें इलाज के लिए जवा, अतरैला और चौखड़ी जैसे दूरस्थ स्थानों तक जाना पड़ता है, जिससे समय और पैसे दोनों की समस्या होती है। उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक बसरेही में अस्पताल निर्माण शुरू नहीं किया जाता, तब तक आमरण अनशन जारी रहेगा। इस बीच ग्रामीणों ने जवा अस्पताल में पदस्थ बीएमओ पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। उनका कहना है कि बीएमओ के परिवार द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जा कर उसे आबादी के रूप में दर्ज करवा लिया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी जमीन पर कब्जा होने के बावजूद अब तक न तो सीमांकन हुआ और न ही कोई कार्रवाई की गई।

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में मजदूरों का आंदोलन जारी

रीवा, नगर संवाददाता।

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट, बेला रीवा के 300 से अधिक मजदूर पिछले 21 दिनों से अपनी जायज़ मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। मजदूर प्लांट के सामने अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं और उनकी मुख्य मांग 8 घंटे की ड्यूटी शिफ्ट, वा सभी श्रमिकों को ड्यूटी मे लेना निर्धारित करना है। आंदोलनकारी मजदूरों का कहना है कि प्रबंधन उनसे 24 से 36 घंटे तक लगातार काम करवा रहा है, जो अमानवीय और श्रम कानूनों का सरासर उल्लंघन है। इससे न केवल मजदूरों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है, बल्कि सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी प्लांट मे पहले कई मजदूरों की मौते हो चुकी है जिनको प्रबंधन ठिकाने लगा चूका है।

इन मांगों पर अड़े आंदोलनकारी

अल्ट्राटेक सीमेन्ट प्लांट के खिलाफ आंदोलनरत मजदूरों की मांग है कि काम के घंटे 8 घंटे प्रतिदिन निर्धारित किए जाएं एवं निकले गए 300 श्रमिकों को काम मे वापस लिया जाये,वेतन में सम्मानजनक वृद्धि की जाए तथा सीमेंट वेज बोर्ड सेटलमेंट के तहत वेतन दिया जाये ,कार्यस्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं तथा सेफ्टी नियमो का पालन किया जाये , मजदूरों का आरोप है कि प्रबंधन उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रहा है और उनकी समस्याओं को सुनने को तैयार नहीं है। इस बीच, श्रम विभाग के हस्तक्षेप के बाद भी प्रबंधन टालमटोल कर रहा है,मजदूरों के इस आंदोलन को स्थानीय समुदायों और अन्य श्रम संगठनों का भी समर्थन मिल रहा है। सभी का मानना है कि मजदूरों की मांगें पूरी तरह जायज़ हैं और उन्हें न्याय मिलना चाहिए। आंदोलन में रामसरोज कुशवाहा महामंत्री एटक, अरुण तिवारी, का. लालमणि त्रिपाठी जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 15 रीवा,प्रमोद शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता आप मध्यप्रदेश, अनिल त्रिपाठी सामाजिक कार्यकर्त्ता सहित बड़ी संख्या में मजदूर मौजूद हैं।

टीईटी के विरोध में शिक्षकों ने डिप्टी सीएम को सौंपा ज्ञापन

रीवा, नगर संवाददाता।

शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी के विरोध मे शिक्षकों ने उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को उनके निज निवास अमहिया रीवा मे ज्ञापन सौपा तथा 2 मार्च को संचालक लोकशिक्षण कार्यालय भोपाल द्वारा जारी आदेश को निरस्त करने की माँग की। शिक्षकों को आश्वासन देते हुये उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक के हितार्थ राज्य सरकार भी उत्तर प्रदेश सरकार की तरह सर्वोच्च न्यायालय मे रिव्यूपिटीशन दाखिल करेगी। ज्ञापन सौपने वालो मे चन्द्रोदय मिश्रा यशपाल शर्मा शशी शुक्ला मनीषा शर्मा पूनम वर्मा संतोष मिश्रा सेफात खान अफगन खान अशोक शुक्ला दिलीप तिवारी रामदास यादव रामाधार द्विवेदी अरूण मिश्रा आदिल खान नागेंद्र तिवारी अंजनी द्विवेदी विभा तिवारी पुष्पा मिश्रा अंजू वर्मा पुष्पेंद्र मिश्रा अरविन्द सिह मृगेन्द्र सिह आदि शिक्षक शामिल रहे।

बालिका अंडर-15 क्रिकेट खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 27 व 28 को

रीवा। 2026-27 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता मे भाग लेने वाली मध्यप्रदेश की क्रिकेट टीम के चयन हेतु मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा प्रदेश के सभी क्रिकेट संभागों में बालिका क्रिकेट खिलाड़ी प्रतिभा खेज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है ।इसी श्रंखला में 26 एवं 27 मार्च 2026 को रीवा संभाग हेतु ट्रायल आयोजित होगा ।उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए के सह सचिव अनुराग सेठी के द्वारा बताया गया कि चूँकि अंडर-15 आयु वर्ग हेतु खिलाड़ियों का चयन किया जाना है अतः इस ट्रायल में रीवा संभाग में निवासरत ऐसी बालिका क्रिकेट खिलाड़ी भाग लेने की पात्र होगी जिनका जन्म 1 सितंबर 2011 से 31 अगस्त 2014 के बीच हुआ हो ।यह ट्रायल रीवा के अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय स्टेडियम में 27 मार्च को सुबह 9 बजे से मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा भेजे गये प्रशिक्षकों अब्दुस समद एवं भावना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं निरीक्षण में आयोजित होगा ।इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को स्वयं के व्यय पर भाग लेना होगा।

करणी सेना ने की यूजीसी कानून को वापस लेने की मांग

रीवा, नगर संवाददाता।

श्रीराजपूत करणी सेना जिला इकाई रीवा ने रीवा सांसद जर्नादन मिश्र को ज्ञापन पत्र सौपकर केन्द्र सरकार द्वारा लाये गये नये यू.जी.सी. कानून वापस लेने के लिए मांग पत्र सौपा। सांसद को मांग पत्र सौपते हुए श्रीराजपूत करणी सेना के संभागीय अध्यक्ष प्रशान्त सिंह ने कहा कि हमारे देश के महाविद्यालयों में दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग के छात्र सवर्ण छात्रों के साथ बैठकर सौहार्द पूर्ण शिक्षा ग्रहण करते हैं लेकिन केन्द्र सरकार ने नया यू.जी.सी. कानून लाकर छात्रों में वर्ग विभेद पैदा कर रही है जिसका श्रीराजपूत करणी सेना भरपूर विरोध करती है और काले कानून को वापस लेने के लिए रीवा सांसद से लोकसभा में सवर्ण समाज के हित को ध्यान मे रखते हुए आवाज उठाने की मांग की है। इस अवसर पर वृजेश सिंह पिंकू, सुधीर पाण्डेय, रिमी सिंह चंदेल, आनन्द सिंह, पुष्पराज सिंह बघेल, रामकृष्ण पाण्डेय, धीरेन्द्र द्विवेदी, सानू सिंह, अभिमन्यु सिंह विसेन, भाष्कर सिंह चंदेल, सूरत सिंह, रोहित सिंह, दीपक सिंह, विकाश सिंह, अखिलेश मिश्रा, अभिमन्यु पाण्डेय, पंकज गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

जिले के विभिन्न तहसीलों में संगठन विस्तार, विभिन्न पदों पर नई नियुक्तियां

भाकियू की मनगवां कोठार व मढ़ी में बैठक, किसानों की समस्याओं पर चर्चा

रीवा, नगर संवाददाता।

21 मार्च को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की बैठक ग्राम मनगवां कोठार में दोपहर 12 बजे सम्पन्न हुई। बैठक में किसानों की प्रमुख समस्याओं जैसे बिजली व्यवस्था, आवारा पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान एवं अन्य विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिनेश कुमार पटेल द्वारा की गई। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव उमेश कुमार पटेल एवं जिला अध्यक्ष सुग्रीव सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रदेश महासचिव उमेश कुमार पटेल की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष सुग्रीव सिंह द्वारा दिनेश कुमार पटेल को तहसील मनगवां का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। साथ ही विजय बहादुर पटेल को तहसील मनगवां का संगठन मंत्री तथा संतोष कुमार पटेल को मनगवां ग्राम इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

बैठक में किसान नेता एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख रूप से दिनेश कुमार पटेल, विजय बहादुर पटेल, अशोक कुमार पटेल, गौरव पटेल, रज्जन पटेल, हीरामणि पटेल, राम सुमिरन पटेल, शशि कुमार सिंह, संतोष कुमार पटेल सहित अन्य किसान उपस्थित रहे। इसी दिन भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की एक अन्य बैठक ग्राम मढ़ी, तहसील रायपुर कर्चुलियान में आयोजित की गई। इस बैठक में नहर निर्माण अधूरा होने के कारण किसानों के खेतों तक पानी न पहुँच पाने से फसलों के सूखने,बिजली एवं आवारा पशुओं की समस्या पर गंभीर चर्चा की गई। बैठक में ग्राम के सरपंच मोहम्मद साजिद हुसैन सहित मोहम्मद अली असगर, मोहम्मद अली अफसर, मोहम्मद हनीफ, एड0 कमलेश्वर सिंह, कोषा अध्यक्ष विजय पटेल, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद इस्लाम शेख, मोहम्मद नूर, मोहम्मद फारूक, मोहम्मद अंसार सहित अन्य किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इंजीनियरिंग महाविद्यालय के छात्रों की खोज

पानी से हाइड्रोजन गैस जनरेशन प्लांट बनाने की तकनीक का प्रस्तुत किया मॉडल

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा इंजीनियरिंग महाविद्यालय में हाल ही में आयोजित टैक्फेस्ट 2026 में तकनीकी नवाचार और रचनात्मकता का एक अनूठा प्रयास विद्युत विभाग के छात्रों द्वारा किया गया जिसमें पानी से हाइड्रोजन गैस जेनरेशन प्लांट का मॉडल विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र बन गया। छात्रों की टीम ने बड़े उत्साह के साथ अपने इस मॉडल का विस्तृत प्रदर्शन किया और समझाया कि कैसे यह प्रणाली जल के अणुओं को तोड़कर हाइड्रोजन गैस का उत्पादन करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया द्वारा उत्पन्न होने वाली हाइड्रोजन गैस को घरेलू उपयोग में, विशेषकर रसोई गैस के एक व्यवहारिक और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया जा सकता है। यह प्रदर्शन न केवल एक तकनीकी उपलब्धि थी, बल्कि ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी था, जिसने सभी को एक टिकाऊ भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया। विद्युत विभाग के प्रोजेक्ट बनाने वाले छात्रों ने बताया कि हमारा देश दशकों से घरेलू उपयोग में आने वाली रसोई गैस (एलपीजी) और परिवहन में इस्तेमाल होने वाले पेट्रोल-डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों और अन्य देशों पर अत्यधिक निर्भर रहा है। इस गहरी निर्भरता को भविष्य में कम करने और देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के महत्वाकांक्षी उद्देश्य से ही छात्रों की टीम ने इस अभिनव मॉडल को डिजाइन करने का प्रयास उनके द्वारा किया गया।

मॉडल का प्रथम चरण

वर्तमान चरण में, छात्रों द्वारा प्रदर्शित किया गया यह मॉडल एक प्रोटोटाइप है, जो किसी भी बड़े परियोजना के प्रारंभिक विकास चरण को इंगित करता है, इसमें अभी और अनुसंधान, विकास और परीक्षण की आवश्यकता है ताकि इसे एक पूर्ण-विकसित, वाणिज्यिक उत्पाद में परिवर्तित किया जा सके। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर पी तिवारी के मार्गदर्शन एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ सन्दीप पांडेय तथा विद्युत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जी.आर. कुमरे के निर्देशन में प्रोजेक्ट पर छात्र छात्राओ द्वारा कार्य किया गया है ।प्रो अनंत श्रीवास्तव एवं प्रो. सीमा द्विवेदी विशेषज्ञ प्राध्यापक के रूप में परियोजना के मार्गदर्शन में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को ऊर्जावान छात्र ओम गुप्ता द्वारा लीड किया जा रहा है।इस टीम में ओम गुप्ता के साथ मोहम्मद मोहसिन, उमेश सिंह, अर्पित पटेल, मुस्कान चुगानी, सागर सिंह, शिवम सिंह, आशीष द्विवेदी, सचिन रजक, तन्वी निगम, सुष्मिता पटेल और रोहित वर्मा जैसे प्रतिभावान छात्र शामिल हैं।

संपादकीय

दुराग्रही तबादले

अधिकारी किसी राजनीतिक दल के बंधक नहीं होते, वे कानून और संविधान के प्रति जवाबदेह होते हैं। कोई अपवाद हो सकता है कि 'काली भेड़' साबित हो। उसे दंडित किया जा सकता है। उसका तबादला किसी 'काले पानी' की तरफ किया जा सकता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में जिस तरह वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस के तबादले किए गए हैं, वे न तो न्यायसंगत हैं और न ही निरपेक्ष हैं। चुनाव आयोग ने दोपहर में चुनावों की तारीखें घोषित की और आधी रात में बंगाल के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, कानून-व्यवस्था के प्रमुख, कोलकाता के पुलिस आयुक्त आदि के एक साथ तबादले कर दिए गए। माना कि संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को व्यापक शक्तियां देता है, लेकिन ये तबादले राजनीतिक मंशा और दुराग्रह से किए गए हैं। सर्वोच्च अदालत का फैसला है कि ऐसे शीर्ष अधिकारियों के तबादले दो साल से पहले नहीं किए जा सकते। ये अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में वरिष्ठतम होते हैं और संघ लोक सेवा आयोग इनकी अनुशंसा करता है। कोई राजनीतिक बॉस इनका नियोक्ता नहीं है। सवाल यह भी है कि चुनाव आयोग को कैसे पता कि ये अधिकारी निष्पक्ष चुनाव और हिंसामुक्त माहौल में चुनाव नहीं करा सकते अथवा ये सभी अधिकारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वफादार हैं? आयोग ने एक ही झटके में बंगाल की शीर्ष नौकरशाही को हिलाकर रख दिया। क्या रोजमर्रा का प्रशासन चुनाव आयोग चलाएगा? यदि बंगाल में प्रशासनिक बदलाव किया गया है, तो तमिलनाडु और केरलम में ऐसा क्यों नहीं किया गया? असम में दिखावे को पांच जिलों के एसएसपी बदले गए हैं। संदेह होता है कि चुनाव आयोग किसी की 'कठपुतली' बनकर काम कर रहा है। भारत के लिए यह विडंबना और दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि यहां का चुनाव आयोग वैश्विक स्तर पर एक उदाहरण रहा है और विभिन्न देशों के प्रतिनिधि हमारे चुनावों के दौरान 'पर्यवेक्षक' की भूमिका में होते हैं। बेशक बंगाल में राजनीतिक हिंसा का पुराना इतिहास रहा है। पहले वामपंथी गांव-गांव, कस्बा-दर-शहर हत्याएं कराते थे। अब 2011 से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राजनीतिक काडर हत्याएं कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी सार्वजनिक मंच से इन राजनीतिक हिंसाओं का उल्लेख कर चुके हैं। लोकसभा चुनाव में 7 ऐसी हत्याएं की गईं और 740 लोग घायल हुए। उनमें से जिंदा बचने वालों का कोई अधिकृत आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। घर तक जला दिए गए। हत्या के बाद शवों को पेड़ से लटकाया जाता रहा। केरलम में तो हिंसा का ऐसा बर्बर रूप है कि विरोधी पक्ष के सक्रिय कार्यकर्ताओं और नेताओं की टांगें तक तोड़कर उन्हें अपाहिज बना दिया जाता है। कोई भी नौकरशाह इस राजनीतिक हिंसा को रोक नहीं सकता। चुनाव आयोग मुगालते में होगा! तमिलनाडु में भी द्रविड़ बनाम हिंदू और गैर-द्रविड़ के दरमियान उग्रता, क्रूरता के कई उदाहरण सामने आते रहे हैं। उन राज्यों के मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक सरीखे शीर्षतम नौकरशाहों को क्यों नहीं बदला गया? सिर्फ इतना ही नहीं, लोकसभा चुनाव 2024 से पहले गुजरात, उप्र, बिहार, हिमाचल, झारखंड, उत्तराखंड आदि राज्यों में सिर्फ गृह सचिव बदले गए थे। हिमाचल और झारखंड को छोड़कर शेष राज्यों में भाजपा-एनडीए सरकार थी और आज भी है। जब महाराष्ट्र, हरियाणा, उप्र, मप्र आदि में विधानसभा चुनाव थे और विपक्षी कांग्रेस ने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को बदलने की मांग की थी, तो चुनाव आयोग ने खारिज क्यों कर दिया था? इन राज्यों में भी भाजपा-एनडीए सरकारें थीं और आज भी हैं। साफ लग रहा है कि चुनाव आयोग का व्यवहार पक्षपातपूर्ण रहा है।

प्रलय से भी अपने भक्तों की रक्षा करने वाले — श्री महालयेश्वर महादेव

84 महादेव श्रृंखला – अंक 24

डॉ. नवीन आनंद जोशी

एक बार कैलाश की दिव्य निस्तब्धता में माता पार्वती के मन में एक गहन जिज्ञासा जागृत हुई। उन्होंने करबद्ध होकर भगवान शिव से पूछा—

'हे प्रभु! यह संपूर्ण सृष्टि, जो हम देखते और अनुभव करते हैं — क्या यह सब आप ही से उत्पन्न हुआ है और क्या अंततः यह सब आप में ही समाहित हो जाता है 'भोलेनाथ मंद मुस्कान के साथ बोले— 'देवि! महाकाल वन में मेरे जिस स्वरूप की प्रतिष्ठा है, उसे महालयेश्वर कहा जाता है। यह शिवलिंग केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि सम्पूर्ण सृष्टि का मूल है।

इसी से ब्रह्मा की सृजन शक्ति प्रकट होती है, विष्णु की पालन शक्ति संचालित होती है, और समस्त देवी-देवताओं की दिव्य शक्तियाँ अभिव्यक्त होती हैं।'

सृष्टि का उद्गम और लय

भगवान शिव आगे कहते हैं—

'पंचमहाभूत — पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश;

मनुष्य की बुद्धि, प्रज्ञा, धृति, स्मृति, ख्याति, लज्जा और सरस्वती जैसी दिव्य शक्तियाँ —

ये सभी इसी महालयेश्वर शिवलिंग से उत्पन्न होती हैं।

और जब काल की गति अपने चरम पर पहुँचती है, जब प्रलय आता है — तब यह समस्त सृष्टि, बिना किसी अपवाद के, पुनः इसी शिवतत्व में विलीन हो जाती है।'

यह कथन केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि सनातन दर्शन का गूढ़ सत्य है—

जिससे सृष्टि उत्पन्न होती है, वही उसका अंतिम आश्रय भी होता है।

शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि महाप्रलय के समय भी भगवान शिव अपने भक्तों को कभी त्यागते नहीं।

वे स्वयं मत्स्य रूपी नाव के माध्यम से अपने शरणागतों को सुरक्षित काशी — मोक्ष की नगरी — तक पहुँचाते हैं।

इस प्रसंग में एक गहरा आध्यात्मिक संदेश निहित है—

यदि मनुष्य का आचरण शुद्ध हो, श्रद्धा अटूट हो और वह शिव की शरण में रहे,तो काल, मृत्यु और प्रलय भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते।

त्रिलोक विजय का वरदान

पुराणों में स्पष्ट उल्लेख है कि—

जो भक्त श्रद्धा औरविधि-विधान से श्री महालयेश्वर महादेव का पूजन करता है, वह त्रिलोक विजयी बनता है।यह विजय बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है—भय पर विजय

मृत्यु के भय पर विजय

और जीवन की अनिश्चितताओं पर विजय होती हैं।

श्री महालयेश्वर महादेव मंदिर उज्जयिनी में महाकाल वन क्षेत्र के अंतर्गत, मगरमुहा गली में स्थित है, जो शहीद भगतसिंह उद्यान के समीप है।यह स्थान भले ही बाह्य रूप से सरल और शांत प्रतीत होता हो, परंतु इसकी आध्यात्मिक ऊर्जा अत्यंत प्रखर और दिव्य है।

विशेष रूप से—श्रावण मास,भाद्रपद मास,पितृ पक्ष

इन अवसरों पर यहाँ श्रद्धालुओं का अपार सैलाब उमड़ता है। प्रतिदिन भी बड़ी संख्या में भक्त यहाँ आकर जलाभिषेक, पूजन और ध्यान करते हैं।

आज का युग भागदौड़, अस्थिरता और मानसिक अशांति से भरा हुआ है।

ऐसे समय में महालयेश्वर महादेव का यह संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है—

'शिव ही प्रारंभ हैं, शिव ही अंत हैं — और शिव ही वह आश्रय हैं जहाँ हर भय समाप्त हो जाता है।' हमारी जिम्मेदारी

महाकाल के भक्तों का यह कर्तव्य है कि वे इस दिव्य परंपरा और ज्ञान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाएँ।

जब पितर प्रसन्न होंगे और संतान संस्कारवान बनेगी, तभी यह सनातन धारा अविरल बनी रहेगी।महालयेश्वर महादेव केवल एक मंदिर या शिवलिंग नहीं, बल्किसृष्टि के उद्गम, संरक्षण और लय का जीवंत प्रतीक हैं।उनकी शरण में जाने वाला भक्त न केवल जीवन के संकटों से मुक्त होता है,

बल्कि प्रलय जैसी महाविपत्ति में भी सुरक्षित रहता है।

नमः शिवाय।

हर हर महादेव।

क्रमशः यात्रा जारी...

डॉ. नवीन आनंद जोशी
ई 100/22, शिवाजी नगर भोपाल मप्र
9425018708
9425016620

शहीदों की विरासत और हमारा भविष्य

डॉ रामेश्वर मिश्र

शहीद दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की उस अमर परंपरा का प्रतीक है, जिसमें असंख्य वीरों ने अपने प्राणों की आहुति देकर राष्ट्र को स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया। शहीदों की विरासत और हमारा भविष्य विषय पर विचार करते समय यह आवश्यक हो जाता है कि हम इस दिवस के ऐतिहासिक संदर्भ को भी समझें, क्योंकि इतिहास ही वर्तमान को दिशा देता है और भविष्य का निर्माण करता है।

हम शहीद दिवस 23 मार्च को मनाते हैं, जो उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को ब्रिटिश सरकार ने फांसी दे दी थी। यह घटना लाहौर षड्यंत्र केस के अंतर्गत हुई, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया और स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा प्रदान की। इन युवाओं ने अपने बलिदान से यह सिद्ध कर दिया कि देश की स्वतंत्रता के लिए किसी भी प्रकार का त्याग छोटा नहीं होता। इतिहास के पन्नों में झांकें तो पाएंगे कि शहीद दिवस केवल एक घटना तक सीमित नहीं है। 30 जनवरी को भी भारत में शहीद दिवस मनाया जाता है, जो महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के रूप में जाना जाता है। इस दिन हमें अहिंसा, सत्य और त्याग के उन मूल्यों की याद आती है, जिनके माध्यम से गांधीजी ने स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा दी। इस प्रकार शहीद दिवस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के विविध आयामों क्रांति और अहिंसा दोनों का प्रतीक बन जाता है।

इतिहास के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत का स्वतंत्रता संग्राम अनेक चरणों और धाराओं से होकर गुजरा। 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, जिसे अक्सर भारत का पहला स्वाधीनता प्रयास माना जाता है, ने देशवासियों के मन में स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्वलित की। इसके बाद विभिन्न आंदोलनों, जैसे असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन ने जन-जन को स्वतंत्रता के लिए प्रेरित किया। इन आंदोलनों के साथ-साथ क्रांतिकारी गतिविधियों ने भी स्वतंत्रता संग्राम को गति दी, जिसमें अनेक वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी। इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझे बिना शहीद दिवस के महत्व को पूरी तरह नहीं समझा जा सकता। शहीदों की विरासत का मूल तत्व उनका अदम्य साहस और अटूट देशभक्ति है। भगत सिंह और उनके साथियों ने केवल ब्रिटिश शासन का विरोध ही नहीं किया, बल्कि एक ऐसे समाज का सपना देखा, जिसमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता का वास हो। उनका दृष्टिकोण व्यापक था और वे केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं थे, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के भी समर्थक थे। यही कारण है कि उनकी विचारधारा आज भी प्रासंगिक है। आज के परिप्रेक्ष्य में जब हम अपने भविष्य की कल्पना करते हैं, तो यह आवश्यक है कि हम शहीदों की इस विरासत को समझें और अपनाएं। वर्तमान समय में चुनौतियां भले ही भिन्न हों, लेकिन उनके समाधान के लिए जिन मूल्यों की आवश्यकता है, वे वही हैं जो हमारे शहीदों ने अपने जीवन से हमें सिखाए। ईमानदारी, निष्ठा, साहस और त्याग ये ऐसे गुण हैं जो किसी भी राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं।

युवा पीढ़ी के लिए शहीदों की विरासत विशेष रूप से प्रेरणादायक है। आज का युवा तकनीकी रूप से सशक्त है और उसके पास असीम संभावनाएं हैं, लेकिन यदि वह अपने मूल्यों से भटक जाता है, तो यह उसकी और राष्ट्र की प्रगति में बाधा बन सकता है। शहीदों का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों में नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति योगदान में निहित है। यदि युवा इस संदेश को समझते हैं, तो वे न केवल अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं, बल्कि देश के भविष्य को भी उज्ज्वल कर सकते हैं।

शहीदों की विरासत में आत्मसम्मान और स्वाभिमान की भावना भी निहित है। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि किसी भी राष्ट्र के लिए आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान अत्यंत आवश्यक हैं। आज के वैश्वीकरण के युग में, जब हम विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं, तब यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम अपनी सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों को बनाए रखें। शहीदों की विरासत हमें यह सिखाती है कि आधुनिकता को अपनाते हुए भी अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही सच्ची प्रगति है।

इसके साथ ही, शहीदों की विरासत हमें सामाजिक न्याय और समानता के महत्व को भी समझाती है। उन्होंने एक ऐसे समाज का सपना देखा था, जिसमें किसी के साथ भेदभाव न हो और सभी को समान अवसर मिले। आज भी हमारे समाज में अनेक प्रकार की असमानताएं विद्यमान हैं, जिन्हें दूर करने के लिए हमें शहीदों के आदर्शों को अपनाना होगा। यदि हम एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज का निर्माण कर पाते हैं, तो यह शहीदों के सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी शहीदों की विरासत का विशेष महत्व है। यदि हमारी शिक्षा प्रणाली केवल जानकारी देने तक सीमित रह जाती है और उसमें नैतिक मूल्यों का अभाव होता है, तो वह अधूरी है। हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है, जो विद्यार्थियों में देशभक्ति, जिम्मेदारी और नैतिकता की भावना विकसित करे। शहीदों के जीवन और विचारों को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाकर हम एक सशक्त और जागरूक नागरिक तैयार कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, मीडिया और साहित्य की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। समाचार-पत्र, पत्रिकाएं और अन्य माध्यमों के जरिए शहीदों की कहानियों और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। इससे समाज में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होगा और लोग राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को अधिक गंभीरता से समझेंगे।

इस प्रकार शहीदों की विरासत हमारे लिए एक मार्गदर्शक है, जो हमें सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। यदि हम उनके आदर्शों को अपनाकर अपने जीवन में उतारते हैं, तो निश्चित ही हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा। हम एक ऐसे भारत का निर्माण कर सकते हैं, जो न केवल आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त हो, बल्कि नैतिक और सामाजिक रूप से भी समृद्ध हो। यही शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही हमारे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बनेगी।

स्वर्ग के लिए

संतोष उत्सुक

उस अनदेखे स्वर्ग में जाने को सब लालायित हैं और जो स्वर्ग जैसी दुनिया सामने है उसे नरक बना देने की ज़िद है। बिना खुद मरे तो वहां जा नहीं सकते लेकिन कभी अपने खुद से मिलने के बाद घमंड और आत्मप्रशंसा छोड़कर ऐसे लोगों द्वारा भी स्वर्ग ही जाने की इच्छा जताई जाती है जिनके कारनामों ने पृथ्वी रुपी स्वर्ग को भी नरक बनाने में पूरा सहयोग दिया। उनके किए धरे के साथ तो नरक का वातावरण ही मेल खाता है। उनका आत्म विशवास समझाता है कि कुछ देर बात न कर, चिंतन कर, शांत रहकर ही स्वर्ग मिल सकता है। कितना आसान रास्ता है। बढ़ती उम्र के लोग तो ऐसा सोच ही सकते हैं। अनेक लोग ज़िंदगी के बाद भी संभावनाएं मानते हैं और उनके बारे अधिकार से बात करते हैं। पूजा स्थल बनवाते और मूर्तियां लगवाते हैं। पूजा पाठ, उपदेश, कथाएं और भंडारे करवाते हैं। इस माध्यम से वे दुनियावी यश अर्जित करते हैं।

यह कितनी बेहतर सुविधा है कि दुनिया में सभी के अपने अपने स्वर्ग और अपने अपने नरक हैं। नरक जाने से सब घबराते हैं, कोई नहीं जाना चाहता। जिन लोगों के पास ताक़त का भंडार है और जेब में पैसा वे तो दुनिया में जीते जी अमर होना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि यहीं पर स्वर्ग का अनुभव लिया जाए। वे अपनी अमरता की चाह में बंधे, स्मारक जैसी ईमारतों में खूबसूरत मेहराबें बनवाते हैं, छतों पर फानूस लटकवाते हैं। संगमरमर के ऊंचे विशाल द्वार सजाते हैं। अपने चेहरे वाले सिक्के चलवाते हैं। उन्हें लगता है मानो स्वर्ग का रास्ता तैयार करवाते हैं।

इस रास्ते के अड़ोस पड़ोस में स्थित जंगल भी उनका निजी ही होता है। वहां की हरियाली पर उनका अधिकार होता है। वहां वे सदनाम के कई प्रयोग करते हैं। युद्ध करवाने के लिए शांति में डूबी योजनाएं रचवाते हैं। चरित्रहीन, भ्रष्टाचारी, असामाजिक, धोखेबाज़ सभी को माफ़ कर अपने साथ रखते हैं क्यूंकि वे भी स्वर्ग ही जाना चाहते हैं। उन सबको नरक शब्द से नफरत होती है हालांकि उन्होंने धरती नामक स्वर्ग में नरक ही जिया होता है। स्वर्ग को अपना भविष्य मानते हुए शायद वे पाप कहे जाने वाले अपने कृत्यों पर पछताते हैं। सार्वजनिक स्तर पर उनके पछताने की ज़रूरत नहीं होती क्यूंकि उनकी तो ईश्वर से सीधे डील करने की तमन्ना होती है। उन्हें पता होता है कि ईश्वर के साथ न तो झगड़ा कर सकते हैं न उन्हें धमका सकते हैं और न ही उन पर हमला करवा सकते हैं। वे सबसे मानवीय और सुरक्षित यही तरीका अपनाते हैं कि खुद को धामिक बताएं, पूजास्थल बनवाएं। पूजास्थल जाकर, पूजा पाठ करवाकर, दान देकर भगवान् से कभी माफी नहीं मांगते बलिक आशीर्वाद लेकर आते हैं। सोशल मीडिया और अखबारों में छपवाते हैं कि पूजास्थल जाकर आशीर्वाद लिया। उनके परिवार वाले भी उन्हें पूरा सहयोग करते हैं। यह उनका नैतिक कर्तव्य होता है। किसी दूसरे को लगे न लगे, अपने आप यह महसूस कर लें कि जीवन जीते समय, स्वर्गिक अनुभव और भविष्य में स्वर्ग प्राप्त करने के लिए अच्छा काम किया जा रहा है। कोई माने न माने, स्वर्ग के लिए कुछ करना अच्छा काम ही है।

जिम्मेदारों का गैरजिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जहां तक एलपीजी की बात है तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक समय था जब एलपीजी कनेक्शन के लिए वर्षों इंतजार करना पड़ता था। सामान्य परिस्थितियों में भी सिलेंडर प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों से भी दो चार होना पड़ता था। धरातल पर देखेंगे तो हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज 31.3 मिलियन टन एलपीजी गैस की खपत है।

विरोध के नाम विरोध या सत्ता के लालच में राष्ट्र-हित के नकार का कोई उदाहरण मिल सकता है तो वह हमारे देश में ही मिल सकता है। आज जब समूची दुनिया संकट के दौर से गुजर रही है और अमेरिका व ईरान युद्ध के दुष्परिणामों से दुनिया के लगभग सभी देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से प्रभावित हो रहे हैं उस दौर में देश में अराजकता का माहौल बनाये जाने के प्रयासों को किसी भी हालात में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। समझ में नहीं आता कि देश में भय और अराजकता का माहौल बनाने से क्या हासिल हो सकेगा। आज दुनिया के देशों की एक दूसरे पर निर्भरता अधिक बढ़ी है। ऐसे में दुनिया के किसी भी कौने में कोई अप्रिय घटनाएं घटित होती है तो उसका प्रभाव कमोबेस दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ता है। सबको मालूम है कि कच्चे तेल और एलपीजी के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता कोई आज की बात नहीं है। यह कोई हमारे देश की ही समस्या हो ऐसा भी नहीं है। बल्कि हार्मुज जलडमरुमध्य से जल यातायात को बाधित होने से यह समस्या और अधिक बढ़ी है। यह भी मालूम है कि ताजिंदगी के लिए किसी भी वस्तु की किसी भी देश द्वारा संग्रहण नहीं किया जा सकता। यदि एलपीजी के हालिया संकट की ही बात की जाये तो होना तो यह चाहिए था कि ऐसे संकट के दौर में पक्ष-विपक्ष एक साथ खड़ा होता और ऐसे हालातों में आमजनता को पेनिक करने के स्थान पर हालात से निपटने में सहभागी बनते तो एक जिम्मेदार पक्ष-विपक्ष या आम नागरिक की बात होती। पर हमने तो हालात ऐसे बना दिए जैसे एलपीजी का अकाल आ गया हो और चारों तरफ आंदोलन-प्रदर्शन के हालात बनाकर जमाखोरों को प्रोत्साहित करने और आमजन में भय का वातावरण बना दिया। जिसके घर में एलपीजी का सिलेण्डर था भी वह भी एक और सिलेंडर लाने की दौड़ में लग गया और इससे हालात

बनने के स्थान पर बिगड़ने वाले होने लगे। होना तो यह चाहिए था कि विपक्षी भी सरकार के साथ खड़े होकर एक और आम जनता को हालात से निपटने के लिए प्रेरित करते वहीं दूसरी और ऐसे समन्वित प्रयास किये जाते जिससे विदेशों से एलपीजी लाने में आ रही दिक्कतों का हल खोजा जा सकता। गैरजिम्मेदारान हरकत तो इसी से समझा जा सकता है कि सरकार के प्रयासों से जब एलपीजी के दो जहाज होर्मुज जलडमरुमध्य से आने लगे तो यहां तक कहा जाने लगा कि इन जहाजों पर झण्डा अवश्य भारत का है पर इनमें उपलब्ध एलपीजी तो किसी अन्य देश के लिए है। धरने प्रदर्शन और हालात को बदतर बनाने के प्रयास किसी भी हालत में देशहित या देशवासियों के हित में नहीं कहे जा सकते। भले ही यह समझते हो कि हम देशवासियों के हित में सरकार को घेर रहे हैं। सही मायने में देखा जाए तो यह सरकार को घेरना नहीं अपितु देश के प्रति अपने दायित्वों से हटने और पूरी तरह से गैरजिम्मेदाराना गतिविधि ही कही जानी चाहिए।

यह वहीं भारत देश है जब लाल बहादुर शास्त्री के समय अन्न संकट आया तो एक आह्वान पर छोटे बड़े सभी ने एक दिन सोमवार का व्रत रखना आरंभ कर दिया। पुरानी पीढ़ी के कुछ लोग आज भी उस आह्वान के चलते आज भी सोमवार का व्रत करते हुए मिल जाएंगे। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि 1971 के बांग्लादेश के युद्ध के समय समूचा देश इन्दिरा गांधी के साथ एक स्वर में स्वर मिला रहा था। आज पता नहीं ऐसे हालात कैसे होने लगे हैं कि ऑपरेशन सिन्दुर, सर्जिकल स्ट्राइक या अन्य सैन्य गतिविधियों पर भी प्रश्न उठाये जाने लगे हैं। संभवतः दुनिया के किसी भी देश में इस तरह की बात नहीं होती होगी।

जहां तक एलपीजी की बात है तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक समय था जब एलपीजी कनेक्शन के लिए वर्षों इंतजार करना पड़ता था। सामान्य परिस्थितियों में भी सिलेंडर प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों से भी दो चार होना पड़ता था। धरातल पर देखेंगे तो हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज 31.3 मिलियन टन एलपीजी गैस की खपत है। देश में 31 करोड़ सक्रिय एलपीजी धरेलू कनेक्शन है। समूचे देश की बात की जाए तो प्रतिदिन ओसतन 50 से 60 लाख एलपीजी सिलेंडर की आवश्यकता होती है। ऐसे में मांग और आपूर्ति बनाये रखना अपने आप में दुष्कर है पर हालिया संकट को अलग कर दिया जाए तो पिछले कुछ सालों से एलपीजी या पेट्रोल आदि को लेकर देश में किसी तरह का संकट देखने को नहीं मिला। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हार्मुज जलडमरुमध्य से दो जहाज भारतीय तट पर पहुंच चुके हैं। सरकार द्वारा भारतीय जहाजों को निर्बाध रुप से रास्ता दिलाने के प्रयास जारी है। ऐसे हालातों के बावजूद सकारात्मक परिणाम प्राप्त होना बड़ी बात है।

इस संकट के दौर में सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे आना देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व हो जाता है। हालात हमारे सामने हैं, सरकार के प्रयास भी हमारे सामने हैं, ऐसे में जमाखोरी और कालाबाजारी को निरुत्साहित करना हम सबका दायित्व होना चाहिए। आवश्यकता नहीं होने पर भी जबरदस्ती सिलेण्डर का स्टॉक करने से बचना चाहिए। वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाये रखने में सहभागी बनना चाहिए। जब तक हालात सामान्य नहीं होते हैं तब तक जबरदस्ती पेनिक होने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही ऐसे तत्व जो हालात को व्यवस्थित करने के स्थान पर बिगाडने व पेनिक करने व जमाखोरी और कालाबाजारी को प्रोत्साहित कर रहे हो उन्हें बेनकाब करने के लिए आगे आना होगा। यदि ऐसे दौर में हमें एक जुट होना होगा और राष्ट्रहित को ही सर्वोपरी मानना होगा।

सनातन नारी शक्ति सम्मान से 51 महिलाएं अलंकृत

ग्वालियर। रामभरोसे गिर्राज विंध्या सेवा एवं शिक्षा समिति ने दो वर्ष पूर्ण होने पर मासिक सुंदरकांड पाठ की श्रृंखला में 24 वां सुंदरकांड पाठ एवं कन्या पूजन कर सनातन नारी शक्ति सम्मान से 51 महिलाओं को सम्मानित किया। आयोजन सी सेक्टर दीनदयाल नगर गौरीधाम मंदिर पर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्रह्मकुमारी प्रजापति की बहन बी.के.ज्योति दीदी, विशिष्ट अतिथि बेटी है तो कल है सामाजिक संस्था संयोजक डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बहन बीके ज्योति दीदी ने श्रोताओं को श्री राम जी की तरह मर्यादा में रहना और हनुमान जी तरह भक्ति का संकल्प दिलाया और बताया कि धर्म की राह पर चलना कठिन है। पर जो धर्म की ध्वजा पताका लहराते हैं वह समाज को एक नई दिशा दिखाते हैं। वहीं डॉ. वंदना भूपेंद्र प्रेमी ने कन्या पूजन कर समिति को सफल आयोजन की बधाई दी। समिति के अध्यक्ष गिर्राज शर्मा ने बताया कि श्री राम जी की कृपा से मासिक सुंदरकांड पाठ की श्रृंखला इसी तरह चलती रहेगी।

धूल और गड्ढों से त्रस्त राहगीरों को राहत की उम्मीद, अब बदलेगी तस्वीर

स्मार्ट सिटी के तहत सचिन तेंदुलकर मार्ग की सड़क का 7.13 करोड़ की लागत से होगा निर्माण

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

बारिश के बाद से ही बहुप्रतीक्षित सचिन तेंदुलकर मार्ग की हालत सबसे ज्यादा खराब हो गई थी। जगह-जगह गड्ढे और उखड़ी सतह के कारण लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ता था। हालात ऐसे थे कि यहां से गुजरने पर धूल के गुबार उड़ते थे, जिससे आसपास के रहवासी भी प्रभावित होते थे। अब इस सड़क के निर्माण से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

इस बहुप्रतीक्षित सचिन तेंदुलकर मार्ग के उन्नयन कार्य का रविवार को भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद भारत सिंह कुशवाह ने भूमि पूजन कर कार्य की औपचारिक शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहर में बड़े-बड़े विकास कार्य लगातार मूर्त रूप ले रहे हैं और इस क्रम को

किसी भी स्थिति में थमने नहीं दिया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, सभापति मनोज तोमर, उपसभापति गिर्राज कंषाना, पार्षद केदार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

डिवाइडर के दोनों ओर 9-9 मीटर चौड़ी सड़क

स्मार्ट सिटी परियोजना के अधीक्षण यंत्री सुबोध खरे ने बताया कि इस सड़क का निर्माण 7 करोड़ 13 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। कुल 2460 मीटर लंबाई में बनने वाली इस सड़क के दोनों ओर 9-9 मीटर चौड़ाई रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि जलभराव की समस्या से निपटने के लिए विशेष रूप से ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया जाएगा। इसके तहत पाइपलाइन के माध्यम से पानी की निकासी चाणक्यपुरी नाला और मुरार नदी तक सुनिश्चित की जाएगी।

जलभराव वाले क्षेत्र में सीमेंट कंक्रीट का उपयोग

परियोजना के अंतर्गत जलभराव वाले लगभग 230 मीटर क्षेत्र में सीमेंट कंक्रीट सड़क बनाई जाएगी, जबकि शेष हिस्से में डामरीकरण किया जाएगा। निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर स्मार्ट सिटी द्वारा लगातार निगरानी रखी जाएगी और इसे निर्धारित समयसीमा में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

शहर और ग्रामीण क्षेत्र को जोड़ेगी महत्वपूर्ण सड़क

सांसद श्री कुशवाह ने कहा कि ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे शहर में विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। सचिन तेंदुलकर मार्ग का उन्नयन इसी दिशा में एक अहम कदम है। यह सड़क शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ती है, जिससे बड़ी आबादी को सीधे लाभ मिलेगा।

21 लाख की सीसी रोड का भूमिपूजन

मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 38 स्थित कांता एन्क्लेव में काला सैयद से बिजली घर रोड तक बनने वाली सीसी रोड का भूमिपूजन किया। लगभग 21 लाख रुपए की लागत से बनने वाली इस सड़क का शुभारंभ क्षेत्र की कन्याओं द्वारा विधि-विधान से किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था सुगम व सुरक्षित होगी तथा नागरिकों को आवागमन में राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार आधारभूत संरचना के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है।

शिला पट्टिका से नाम गायब, पार्षद ने जताई आपत्ति

भूमिपूजन कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही शिला पट्टिका को लेकर विवाद खड़ा हो गया। वार्ड 29 के पार्षद जब कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि पट्टिका पर उनका नाम नहीं है। पट्टिका पर सांसद, विधायक, महापौर और सभापति के नाम अंकित थे, लेकिन स्थानीय पार्षद का नाम न होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। इस पर उन्होंने मौके पर मौजूद स्मार्ट सिटी कारपोरेशन के अधीक्षण यंत्री सुबोध खरे से आपत्ति दर्ज कराई। अधीक्षण यंत्री ने सफाई देते हुए कहा कि निर्धारित प्रारूप के अनुसार जिन नामों की सूची प्राप्त हुई थी, उन्हीं को शिला पट्टिका पर अंकित किया गया है। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि पार्षद को आपत्ति है तो पट्टिका बदलवाकर उनका नाम भी जोड़ा जाएगा। घटना को लेकर कार्यक्रम स्थल पर कुछ देर के लिए असहज स्थिति बनी रही।

दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भारतीय जनता पार्टी शहीद भगत सिंह मण्डल में प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम अंतर्गत दो दिवसीय पं. दीनदयाल प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन हुआ। शिविर का उद्घाटन संभागीय संगठन प्रभारी डॉ. निशांत खरे एवं महानगर अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने किया। प्रारम्भिक सत्र के विषय वैचारिक अधिष्ठान पर डॉ. निशांत खरे ने अपना वक्तव्य रखा। तत्पश्चात सांसद भारत सिंह कुशवाह ने अन्तोदय से संतृप्ति विषय पर मोदी सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाओ पर व्याख्यान दिया। शिविर के द्वितीय दिवस सुबह 5:30 बजे जागरण, योग प्रार्थना उपरान्त प्रथम भाजपा के इतिहास एवं विकास पर जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने ने बताया कैसे जनसंघ से जनता पार्टी और फिर भाजपा की नींव पड़ी। भाजपा की कार्य पद्धति पर मीना सचान, बूथ प्रबंधन पर कार्यक्रम संयोजक विनय जैन ,प्रदेश सरकार की योजनाओ पर समीक्षा गुप्ता, सोशल मीडिया पर राघवेंद्र कुशवाह ने और अंतिम सत्र में कार्य विस्तार विषय पर विवेक जोशी ने व्याख्यान दिया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ।

शिक्षा की शक्ति से आता है समाज में बदलाव

ग्वालियर। ईसीएस बैगलेस स्कूल के नए आधुनिक भवन का लोकार्पण रविवार को सुरेश नगर थाटीपुर में मुख्य अतिथि हॉकी इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर रामू भैया ने किया। अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी मदन चन्द्र पवैया ने की। रामू भैया ने कहा कि शिक्षा ही वह शक्ति है जो समाज को बदल सकती है। ईसीएस बैगलेस स्कूल अपने आप में ही एक माइलस्टोन है। इस नई आधुनिक ब्रांच के खुलने से शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। स्कूल के संचालक भूषण पवैया एवं प्रबंधक प्रांजल पवैया ने स्वागत किया। उद्घाटन समारोह में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक जैन, संजय चौपड़ा, देवेन्द्र पवैया, दिनेश दीक्षित, पारस सर्राफ, भारत पवैया, भूषण पवैया, दिलीप वाकड़े, सुरेश तिवारी, आकाश शर्मा आदि मौजूद थे।

विधायक ने किया सीसी सड़क का लोकार्पण

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 60 शिव नगर में नवनिर्मित सड़क का विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने क्षेत्रीय पार्षद केदार बरहादिया एवं क्षेत्रीय जनता के साथ लोकार्पण किया। इस मौके पर क्षेत्रीय जनता ने विधायक डॉ. सतीश सिकरवार एवं अन्य अतिथियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया। भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद विधायक डॉ. सिकरवार ने क्षेत्र का भ्रमण कर क्षेत्रीय नागरिकों की परेशानियां सुनी और संबंधित अधिकारियों को

स्कूल के विद्यार्थियों के असफल खाते अब तक अपडेट नहीं

छात्रवृत्ति नहीं पहुंची

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को जो छात्रवृत्ति दी जाती है, उनमें कई सारे विद्यार्थियों के खाते अपडेट नहीं हुए और उन्हें छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई, इसके चलते अब विद्यार्थी परेशान हैं, जिला शिक्षा अधिकारी ने इसको लेकर संकुल प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि इन खातों को जल्द ही अपडेट कर दिया जाए। खाते अपडेट न होने की स्थिति में कार्रवाई भी प्रस्तावित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग ने छात्रवृत्ति को प्राथमिकता में रखा था, जिसके चलते साल भर इसकी निगरानी भी की गई थी, लेकिन इसके बावजूद कुछ खाते अपेडट नहीं किए गए और विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई।

जिले में अब तक 3436 ऐसे विद्यार्थियों के खाते थे, जिन्हें छात्रवृत्ति नहीं मिली थी, वजह यह थी कि इनके खाते अपडेट नहीं किए गए थे। इनमें से 1783 बैंक खाते अब अपडेट किए गए हैं, जबकि 1653 खातों का अपडेशन अभी बाकी है। मैपिंग के बाद प्रोफाइल अपडेशन नहीं हुआ : इसके अलावा 18820 विद्यार्थियों की मैपिंग अब तक हो चुकी है, लेकिन इनकी प्रोफाइल अपडेट अभी तक नहीं हुई है। ऐसे विद्यार्थियों के खाते डाकघर में खुलवाने के लिए कहा गया है।

इनका कहना है

असफल हुए खातों के अपडेशन का काम चल रहा है। इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

हरिओम चतुर्वेदी
जिला शिक्षा अधिकारी, ग्वालियर

ई-टोकन प्रणाली से मिलेगी खाद किसानों को लाइन से राहत

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले के किसानों के लिए खाद वितरण की व्यवस्था अब पूरी तरह डिजिटल होती जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा लागू ई-विकास प्रणाली के तहत ग्वालियर जिले में भी ई-टोकन प्रणाली से रासायनिक उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन ने किसानों से इस सुविधा का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर पंजीयन कराने की अपील की है।

ई-विकास पोर्टल पर पंजीयन प्रक्रिया बेहद सरल रखी गई है। किसान अपने आधार नंबर के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं, जिसके बाद मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के सत्यापन से प्रक्रिया पूरी हो जाती है। पंजीयन के बाद किसान ई-टोकन प्राप्त कर निर्धारित समय पर खाद ले सकते हैं। पोर्टल पर किसानों की भूमि संबंधी जानकारी भी स्वतः उपलब्ध रहती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। जिलाधीश रुचिका चौहान ने संबंधित विभागों के अधिकारियों और एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि ई-टोकन प्रणाली के तहत खाद वितरण को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और किसानों को इसके लिए जागरूक किया जाए।

इस नई व्यवस्था से किसानों को लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही बिचौलियों की भूमिका पर रोक लगेगी और कालाबाजारी पर भी नियंत्रण संभव होगा। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास रणवीर सिंह जाटव ने बताया कि ई-टोकन में किसान का नाम, उर्वरक का प्रकार, मात्रा, वितरण केंद्र और समय की जानकारी दर्ज होती है, जिससे किसान निर्धारित समय पर आसानी से खाद प्राप्त कर पा रहे हैं।

जीआरपी की सतर्कता से गुमशुदा बालिका स्टेशन से बरामद

अमरावती से लापता हुई थी नाबालिग

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

रेलवे स्टेशन पर चल रही सघन चेकिंग के दौरान जीआरपी ग्वालियर बीजी ने एक गुमशुदा बालिका को बरामद करने में सफलता हासिल की है। बालिका महाराष्ट्र के अमरावती जिले से लापता हुई थी, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले ही दर्ज थी।

पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल राहुल कुमार लोढ़ा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतू डाबर एवं उप पुलिस अधीक्षक राम स्नेही चौहान के मार्गदर्शन में जीआरपी द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को ग्वालियर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर एक बालिका संदिग्ध अवस्था में बैठी मिली। पूछताछ में बालिका ने अपना नाम समृद्धि इगडे निवासी बडोना रामनाथ, थाना मगरूचावड़ा जिला अमरावती (महाराष्ट्र) बताया। पुलिस ने तत्काल उसे थाने लाकर परिजनों से संपर्क किया। पिता अनिल इगडे ने पुष्टि की कि बालिका बिना बताए घर से चली गई थी और उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना मगरूचावड़ा में दर्ज कराई गई है। संबंधित थाने से संपर्क करने पर जानकारी मिली कि मामले में अपराध क्रमांक 4/26 धारा 137 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज है। जीआरपी की तत्परता के चलते बालिका को सुरक्षित कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में निरीक्षक दीपशिखा सिंह तोमर, प्रधान आरक्षक मनोज सिंह, पदम सिंह, आरक्षक अमर सिंह, नमन कुमार, नरेश सिंह एवं महिला आरक्षक रुचि दुबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ऑप्टोमेट्रिस्ट बने आधुनिक चिकित्सा के मजबूत स्तंभ

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां ऑप्टोमेट्रिस्ट अब केवल दृष्टि सुधार तक सीमित न रहकर समग्र चिकित्सा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। नेत्र परीक्षण के जरिए वे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, ऑटोइम्यून और न्यूरोलॉजिकल बीमारियों की प्रारंभिक पहचान कर मरीजों को समय पर उपचार दिलाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार कॉन्टैक्ट लेंस तकनीक और ऑप्टोमेट्री सेवाओं में हुए सुधार से मरीजों को सुरक्षित व कस्टमाइज्ड उपचार मिल रहा है। सत्य प्रकाश शर्मा ने इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव बताया। वहीं डॉ. नलिन ने रतन ज्योति नेत्रालय में रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी सेवाओं को नवजातों के लिए उपयोगी बताया। मीनू भार्गव ने बाल नेत्र चिकित्सा में ऑप्टोमेट्रिस्ट की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया, जबकि अखिल जैन ने ऑपरेशन थिएटर में उनकी तकनीकी भागीदारी को रेखांकित किया। आशीष तोमर, शिवकांत उपाध्याय और अरुण प्रताप ने ग्लूकोमा जांच, सर्जरी तैयारी और वृद्धावस्था समस्याओं में उनकी उपयोगिता बताई। लो विजन, ड्राई आई और डायबिटिक जांच में ऑप्टोमेट्रिस्ट सुरेश पांडेय, दीपक और शैलेन्द्र की भूमिका भी सराहनीय रही। डॉ. प्रियंवदा भसीन और डॉ. पुरेन्द्र भसीन ने इन्हें स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ बताया।

मरेनगो एशिया हॉस्पिटल्स की ओपीडी शुरू

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मरेनगो एशिया हॉस्पिटल्स, गुरुग्राम द्वारा ग्वालियर में हेमेटोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) की समर्पित मासिक ओपीडी शुरू करने की घोषणा की गई है। इस पहल से ग्वालियर सहित मध्य प्रदेश के मरीजों को उन्नत उपचार सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी।

पड़ाव स्थित स्व. प्रवीणा पांडेय मेमोरियल आईकॉम मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में अस्पताल के मार्केटिंग हेड संदीप गोदियाल ने बताया कि इस ओपीडी के शुरू होने से मरीजों को अब विशेषज्ञ इलाज के लिए मेट्रो शहरों की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी, जिससे समय पर निदान और उपचार संभव होगा। यह ओपीडी ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, मल्टीपल मायलोमा, एप्लास्टिक एनीमिया और थैलेसेमिया जैसी जटिल बीमारियों के लिए विशेषज्ञ परामर्श और उपचार योजना उपलब्ध कराएगी। ओपीडी का संचालन मरेनगो एशिया हॉस्पिटल्स, गुरुग्राम की विशेषज्ञ टीम करेगी, जिसमें डॉ. मीत कुमार (निदेशक एवं प्रमुख, बोन मैरो ट्रांसप्लांट) और डॉ. नीरज तेवतिया (सीनियर कंसल्टेंट, बीएमटी एवं हेमेटोलॉजी) शामिल हैं।

प्रतिभागियों को मंच पर बोलने का अभ्यास कराया

युवाओं के व्यक्तित्व विकास पर जोर

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन द्वारा युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं संचार कौशल को सशक्त बनाने के उद्देश्य से पब्लिक स्पीकिंग मास्टरक्लास का आयोजन ग्रैब स्पेस कोवर्किंग में किया गया। कार्यक्रम में जेसीआई इंडिया के नेशनल ट्रेनर अनुपम तिवारी मास्टर ट्रेनर के रूप में उपस्थित रहे। अनुपम तिवारी ने युवाओं को प्रभावी संवाद कला, आत्मविश्वास बढ़ाने की तकनीक, स्टेज फियर को दूर करने के उपाय तथा पब्लिक स्पीकिंग के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। इंटरैक्टिव सेशन के माध्यम से प्रतिभागियों को मंच पर बोलने का अभ्यास भी कराया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और प्रस्तुतीकरण क्षमता का विकास हुआ।

संस्था के जयेश श्रीवास्तव ने बताया कि युवाओं को आवश्यक स्किल्स प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना संस्था का उद्देश्य है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम का संयोजन अर्पित शर्मा एवं लावण्या शर्मा ने किया, जबकि आभार संस्था संस्थापक आकाश बरूआ ने व्यक्त किया। इस अवसर पर बबली कुशवाह, हर्षिता यादव, अभय सिकरवार, शुभम मलिक, विकास राठौड़, अग्रिमा तोमर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

रोटरी मिशन में सेवा देने वाले चिकित्सकों का सम्मान

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

स्व. माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन रोटरी रीजनल मेडिकल शिवपुरी एवं मध्य प्रदेश शासन के द्वारा वृहद स्तर का स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। जिसमें पूरे देश के लगभग साढे चार सौ चिकित्सक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह कैंप 17 मार्च से शुरू हुआ और 24 मार्च तक चलेगा। इस अवसर पर रविवार को चिकित्सकों का सम्मान किया गया। सम्मान करने वालों में मुख्य रूप से माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन के सचिव पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पूर्व मंत्री ओपीएस भदौरिया, कोलारस विधायक महेंद्र यादव, जिलाधीश शिवपुरी रविंद्र चौधरी, रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन शिवपुरी के अध्यक्ष भूपेंद्र जैन, सचिव प्रदीप पाराशर एवं पूर्व सरपंच सुरेंद्र शर्मा आदि शामिल रहे।

अग्नि सुरक्षा के लिए नवाचार

तीन दिवसीय मेला 29 मार्च से

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

गर्मी के मौसम में बढ़ती अग्नि दुर्घटनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने जागरूकता बढ़ाने के लिए अभिनव पहल की है। जिलाधीश रुचिका चौहान के निर्देशन में 29, 30 और 31 मार्च को ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में तीन दिवसीय अग्नि सुरक्षा मेले का आयोजन किया जाएगा।

रविवार को आयोजित बैठक में जिलाधीश ने अधिकारियों के साथ मेले की रूपरेखा को अंतिम रूप देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधीश ने स्पष्ट किया कि यह मेला शासकीय न होकर जनसहभागिता से आयोजित

जागरूकता कार्यक्रम होगा। 24 मार्च को समाज के विभिन्न वर्गों के साथ बैठक कर सुझाव और सहयोग लिया जाएगा। इस मेले का उद्देश्य नागरिकों को अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की जानकारी देना है। मेले में ग्वालियर सहित अन्य शहरों से अग्नि सुरक्षा उपकरण विक्रेता और विशेषज्ञ भाग लेंगे। यहां उपकरणों का प्रदर्शन, डेमो और विक्रय की सुविधा उपलब्ध रहेगी। नागरिकों को आग लगने की स्थिति में बचाव के व्यावहारिक तरीके भी बताए जाएंगे। स्टॉल लगाने के इच्छुक विक्रेता नगर निगम के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही होमगार्ड के प्रशिक्षित वॉलेंटियर्स को भी मेले से जोड़ा जाएगा।

हरी या पीली कौन सी कीवी ज्यादा फायदेमंद होती है

किसका स्वाद ज्यादा मीठा होता है, जान लें दोनों में क्या अंतर है

कीवी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद फल है। भारत में कीवी की पैदावार बहुत कम होता है। ज्यादातर कीवी विदेशों से आयात की जाती है। चीन, न्यूजीलैंड, इटली, ग्रीस, ईरान, चिली, टर्की, पुर्तगाल और अमेरिका में कीवी की काफी ज्यादा पैदावार होती है। सबसे ज्यादा कीवी चीन में पैदा किया जाता है। भारतीय बाजारों में दो तरह के कीवी मिलते हैं। एक हरे रंग की कीवी होती है और दूसरी पीले रंग की, दोनों में रंग का अंतर तो है ही साथ ही स्वाद और पोषक तत्वों में भी अंतर है। आइये जानते हैं हरी और गोल?डन कीवी में क्या अंतर होता है। कौन से रंग की कीवी ज्यादा फायदेमंद होती है। हरी और पीली कीवी में कौन सी ज्यादा मीठी होती है?

न्यूट्रिशनिष्ट की मानें तो हरी हरी और गोल?डन दोनों तरह की कीवी सेहत के ल?िए बेहद फायदेमंद होती हैं, लेकिन फाइबर हरी कीवी में ज्यादा होता है। ग?लाइसेमि?क इंडेक?स हरी और गोल्डन दोनों कीवी का कम होता है। इसलिए शुगर के मरीज भी कीवी खा सकते हैं। दोनों कीवी में कैलोरी बराबर होती हैं। हरी और गोल्डन दोनों कीवी में व?िटामि?न सी, विटामिन ई और पोटेशियम होता है। हार्ट के लिए हरी और पीली दोनों कीवी अच्छी हैं।। दोनों ही हार्ट हेल?थ के ल?िए फायदेमंद होते हैं। दोनों ही प्रकार के कीवी का ग?लाइसेमि?क इंडेक?स कम होता है, तो आप इसे वेट लॉस डाइट का ह?ि?स?सा बना सकते हैं। दोनों कीवी में ल्यूटिन और जेक्सैंथिन नाम के एंटीऑक ?सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो आंखों की सेहत के ल?िए फायदेमंद होते हैं।

हरी कीवी का स्वाद हल्का खट्टा होता है। अगर हरी कीवी में ज्यादा कड़ी कीवी है तो ये और भी खट्टी निकलती हैं। मीठी कीवी खानी है तो इसके लिए पीली यानि गोल्डन कीवी खरीदकर लाएं। गोल्डन कीवी का स्वाद ज्यादा मीठा होता है। हरी कीवी खरीद रहे हैं तो देख लें कि कीवी का छिलका स?मूद हो और उस पर ज?यादा दाग नहीं हों। ऐसी कीवी फ्रेश होती हैं। अगर कीवी छूने पर सख?त लग रही है तो समझ लें कि अभी कच्ची है। दबाने पर हल्की मुलायम कीली मीठी निकलती हैं। कच?चे कीवी से खुशबू नहीं आती, जबकि पकने पर हल्की खुशबू आने लगती है। कच्ची कीवी खाने से पेट दर्द हो सकता है।

हरी और गोल्डन कीवी में अंतर

हरी कीवी ऊपर से गहरी ब्राउन कलर की होती है। इस पर रेशे जैसे रोएं होते हैं और काटने पर अंदर से कीवी हरे रंग की निकलती है। इसकी गुठली वाला एरिया थोड़ा बड़ा होता है और काले बीज होते हैं। जबकि गोल्डन यानि पीली कीवी के ऊपर की सतह काफी चिकनी और हल्की पीली दिखती है। अंदर से काटने पर ये हल्के पीले रंग की निकलती है। गोल्डन कीवी में बीज कम होते हैं और इसकी गुठली वाला हिस्सा भी छोटा होता है। हरी कीवी ज्यादा खट्टी होती है और गोल्डन कीवी मीठी होती है।

बिना तेल-घी के भी मखाना बनेगा सुपर क्रिस्पी, भुनने के लिए बस अपनाएं ये आसान तरीके

मखाना एक हेल्दी स्नैक है जिसे ज्यादातर लोग शाम के समय चाय के साथ या हल्की भूख लगने पर खाना पसंद करते हैं। मखाना भुनने के लिए आमतौर पर तेल या घी का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन अगर आप वेट लॉस जर्नी पर हैं और कम कैलोरी वाला ऑप्शन चाहते हैं तो बिना तेल-घी के भी इसे भून सकते हैं। बता, दें, बिना तेल और घी के रोस्ट किया हुआ मखाना भी स्वाद में उतना ही स्वादिष्ट और कुरकुरा होता है। बस इसे सही तरीके से भूनना जरूरी है। कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप घर पर ही बिना तेल-घी के सुपर क्रिस्पी मखाना तैयार कर सकते हैं।

इन तरीकों से भूनें मखाना

कड़ाही में भूनें : मखाने भूनने के लिए मोटी तली की कड़ाही या पैन का इस्तेमाल करें। इससे मखाने बराबर गर्म होते हैं और जलने का खतरा कम रहता है। जब भी आप मखाना भूनें, उसे बीच-बीच में चलाते रहें। इससे सभी मखाने एक समान भुनते हैं और हर मखाना कुरकुरा बनता है।

माइक्रोवेव में भूनें : अगर आपके पास माइक्रोवेव है, तो उसमें भी मखाने आसानी से भुने जा सकते हैं। मखानों को माइक्रोवेव सेफ बाउल में डालकर 2-3 मिनट तक माइक्रोवेव करें। बीच में एक बार निकालकर हल्का चला दें, ताकि सभी मखाने बराबर भुन जाएं।

एयर फ्रायर में बनाएं क्रिस्पी मखाना : एयर फ्रायर में मखाना भूनना भी एक हेल्दी तरीका है। एयर फ्रायर को 180एष्ट पर प्रीहीट करें, फिर मखानों को बास्केट में डालकर 4-5 मिनट तक एयर फ्राई करें। इससे मखाने जल्दी और बहुत ही क्रिस्पी बनते हैं। मखाना भुन जाने के बाद उसमें हल्का नमक, काली मिर्च, चाट मसाला या भुना जीरा पाउडर मिलाकर स्वाद बढ़ा सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान : मखाने को बिना तेल-घी के भूनते समय गैस की आंच हमेशा धीमी रखें।

तेज आंच पर मखाना जल्दी जल सकता है और अंदर से कच्चा रह जाता है।

धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए भूनने से मखाना अच्छी तरह क्रिस्पी बनता है।

जल्दी खाना बनाने के सीक्रेट टिप्स, जो आपको भी होने चाहिए पता

हर दिन किचन में समय लगने की एक मुख्य वजह यह होती है कि हमें यह पता ही नहीं होता कि आज क्या बनाना है। इस समस्या से बचने का एक सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप संडे के दिन ही पूरे हफ्ते का मेनू तय कर लें। इससे आपका माइंड काफी हद तक क्लीयर रहेगा और आप अपनी ग्रॉसरी प्लानिंग भी पहले से कर लेंगे।

हेल्दी रहने के लिए सबसे जरूरी होता है कि हम सभी घर का बना खाना ही खाएं। लेकिन घर पर खाना बनाने में काफी समय लगता है और इसलिए अधिकतर लोग अपना समय व मेहनत बचाने के चक्कर में खाना ऑर्डर करना ज्यादा पसंद करते हैं। लगातार ऐसा करना बिल्कुल भी अच्छा नहीं माना जाता है, क्योंकि इससे आपके पैसों व सेहत दोनों की बर्बादी होती है।

हो सकता है कि आप भी घर-परिवार, बच्चों व ऑफिस की जिम्मेदारियों के बीच किचन में एक-दो घंटे बर्बाद ना करना चाहते हों। हालांकि, ऐसे में आपको परेशान होने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो कुछ आसान स्मार्ट किचन हैक्स और थोड़ी सी प्लानिंग की मदद से अपने समय की काफी हद तक बचत कर सकते हैं-

संडे में मेनू करें प्लान

हर दिन किचन में समय लगने की एक मुख्य वजह यह होती है कि हमें यह पता ही नहीं होता कि आज क्या बनाना है। इस समस्या से बचने का एक सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप संडे के दिन ही पूरे हफ्ते का मेनू तय कर लें। इससे आपका माइंड काफी हद तक क्लीयर रहेगा और आप अपनी ग्रॉसरी प्लानिंग भी पहले से कर लेंगे। इस तरह, खाना बनाने में काफी समय बच जाएगा।

करें मील प्रिपरेशन

जब आप संडे में ही अपने पूरे सप्ताह का मेनू प्लॉन कर लेते हैं तो इससे मील प्रिपरेशन करना आसान हो जाता है। अमूमन किचन में खाना बनाना इसलिए बोरिंग लगता है, क्योंकि सब्जियां काटने में काफी समय लग जाता है। इसलिए आप कोशिश करें कि आप गाजर, बीन्स, शिमला मिर्च, गोभी को पहले से काट लें। यह सब्जियां दो-तीन दिन आराम से चल जाती हैं। साथ ही, बॉक्स में टिशू पेपर रखें ताकि नमी कम रहे। इसी तरह, प्याज-टमाटर की बेस ग्रेवी भी बनाकर स्टोर कर लें। यह फ्रिज में 3-4 दिन या फ्रीज़र में 15 दिन तक स्टोर की जा सकती है।

प्रेशर कुकर को दें प्राथमिकता

अगर आप किचन में अपना समय बचाना चाहते हैं तो ऐसे में प्रेशर कुकर आपके काफी काम आ सकता है। आप कुकर की मदद से कई तरह की चीजें जैसे दाल, आलू, चना व राजमा आदि आसानी से बना सकते हैं। अगर आप समय बचाना चाहते हैं तो कुकर में खाना बनाते समय स्टैंड का इस्तेमाल करें। मसलन, दाल नीचे रखें और ऊपर स्टैंड में सब्जी रख दें। इस तरह दो चीजें एक साथ पक जाएंगी।

खाली पड़े गमले में उगाएं पुदीना

बिना बीज के ऐसे लगाएं, पूरी गर्मी हरा भरा रहेगा पौधा

गर्मी में पुदीना का इस्तेमाल काफी बढ़ जाता है। छाछ और रायता में पुदीना न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि कई फायदे भी पहुंचाता है। पुदीना का शरबत पेट को ठंडक पहुंचाता है। कुछ लोग पुदीना की चटनी बनाकर खाते हैं। खाने में कई तरह से पुदीना का इस्तेमाल होने लगता है। अगर आप भी पुदीना का स्वाद पसंद करते हैं तो घर में खाली पड़े गमलों में आसानी से पुदीना उगा सकते हैं। जी हां इसके लिए आपको बीज की भी जरूरत नहीं होगी। आप जो मार्केट से पुदीना खरीदकर लाते हैं बस उसकी मोटी टहनियों को फेंकने की बजाय गमले में लगा दें। कुछ ही दिनों में आपके गमला पुदीना के पत्तों को भर जाएगा। आइये जानते हैं घर में पुदीना उगाने का आसान तरीका क्या है और किन बातों का ख्याल रखें।

गमले में पुदीना कैसे उगाएं?

पुदीना किसी भी गमले में आसानी से उगाया जा सकता है। घर में खाली पड़े गमलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो इसके लिए थोड़ा चौड़ा गमला भी खरीद सकते हैं। गमले में नीचे

पानी निकलने के लिए छेद होना जरूरी है। इससे गमले में पौधा लंबे समय चलता है। अब गमले में भुरभुरी मिट्टी, कोकोपिट और वर्मीकम्पोस्ट मिलाकर तैयार कर लें। बाजार से खरीदकर लाए पुदीने की टहनियों को पानी में डालकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। पुदीने की टहनियों को मिट्टी में 2 इंच गहरा दबा दें और हल्का पानी छिड़क दें। इस तरह हफ्तेभर में पुदीना की टहनियां सेट हो जाएंगी और नए पत्ते निकलने लगेंगे।

पुदीने के बीज कैसे बोएं

अगर आप पुदीने के बीज से पौधा उगा रहे हैं तो गमले में पुदीना के बीज डाल दें। ऊपर से मिट्टी की एक मोटी लेयर डाल दें। ध्यान रखें मिट्टी में नमी बनी रहनी चाहिए, इससे पौधा जल्दी उगने लगेगा। हां ज्यादा पानी डालने से बचें, क्योंकि इससे जड़ें गल सकती हैं। पुदीना को सिर्फ 5-6 घंटे ही धूप में रखें आप देखेंगे कि पुदीने के पत्तों से गमला भर जाएगा। आप जरूरत के हिसाब से पुदीने के सिर्फ पत्ते तोड़ लें। टहनियों को जड़ से न तोड़ें, सिर्फ ऊपर ऊपर से पत्ते तोड़ लें। इस तरह आपके गमले में पूरी गर्मी पुदीना महकता रहेगा।

मीठे खरबूजे की पहचान कैसे करें, डंठल देखकर चल जाएगा पता

खरीदते वक्त इन टिप्स को फॉलो करें

आजकल खरबूजे मिलने लगे हैं। मीठे और रसीले खरबूजे खाने में बहुत टेस्टी लगते हैं। सेहत के लिए भी खरबूजा बहुत फायदेमंद फल है। हालांकि कई बार जब खरबूजा फीका या कम जूस वाला निकल आए तो स्वाद खराब हो जाता है। सीजन की शुरुआत में कई बार कच्चे और कम मीठे खरबूज भी आने लगते हैं। इसलिए जब आप खरबूज खरीदने जाए तो कुछ बातों को ख्याल जरूर रखें। मीठे खरबूजे का पता डंठल से लगाया जा सकता है। जानिए खरबूजा खरीदते वक्त किन बातों का ख्याल रखें।

मीठे खरबूजे की पहचान

डंठल से पहचानें- खरबूजा खरीदते वक्त उसका डंठल जरूर चेक करें। खरबूजे के हाथ में लें और उसके डंठल वाली साइड को सूंघें। अगर उसमें मीठी और फूलों जैसी खुशबू आ रही है तो समझ लें खरबूजा पका हुआ है। ये मीठे खरबूज की पहचान है। डंठल साइड से जेल जैसा निकल रहा हो और वो ज्यादा सूखा न हो तो इससे पता चलता है कि खरबूज ताजा टूटा है या कई दिनों का रखा हुआ है।

दबाकर चेक करें- खरबूजा खरीदते वक्त थोड़ा दबाकर चेक करें। उंगली से हल्का दबाने पर खरबूजा अगर थोड़ा नरम हो तो समझें कि ठीक तरीके से पका हुआ है। ऐसा खरबूजा मीठा निकलता है। हालांकि ज्यादा दबने वाला खरबूजा अदंर से गला हुआ निकलता है। ऐसा खरबूज खरीदने से बचें।

धारियों से पता लगाएं- मीठा खरबूज खरीदने के लिए खरबूजे के छिलके को ध्यान से देखें। अगर खरबूजे पर हरी और नारंगी गहरी धानियां बनी हैं तो ऐसा खरबूजा मीठा निकलता है। वहीं जिस खरबूजे पर गहरे और यूनिफॉर्म जालीदार निशान बने हैं वो भी मीठा होता है। अगर खरबूज का रंग हल्का पाली सा है तो पूरी तरह से पका हुआ है और खाने के लिए परफेक्ट है। ऐसा खरबूजा मीठा निकलता है।

खरबूज खाने के फायदे

गर्मियों में खरबूज जरूर खाना चाहिए। इसमें पानी की मात्रा काफी ज्यादा होती है। खरबूज शरीर को हाइड्रेट रखता है। इसमें करीब 90 से 92 प्रतिशत पानी की मात्रा होती है। शरीर को ठंडा रखने में खरबूज मदद करता है। इसे खाने से पेट जल्दी भरता है और वजन भी कम होता है। खरबूज में विटामिन, फाइबर और पोटैशियम भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

2026-27 के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का कार्यक्रम जारी

जनवरी माह में खेली जाएगी प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को 2026-27 के लिए कार्यक्रम जारी किया है। आठ महीनों की लंबी अवधि के दौरान 14 वेन्यू पर 27 मैच खेले जाएंगे। इसकी शुरुआत अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मुकाबलों से होगी और इसका समापन अगले साल मार्च में एमएसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक 150वीं वर्षगांठ टेस्ट मैच के साथ होगा।

मेलबर्न

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने रविवार को 2026-27 के लिए कार्यक्रम जारी किया है। आठ महीनों की लंबी अवधि के दौरान 14 वेन्यू पर 27 मैच खेले जाएंगे। इसकी शुरुआत अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मुकाबलों से होगी और इसका समापन अगले साल मार्च में एमएसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक 150वीं वर्षगांठ टेस्ट मैच के साथ होगा।

जनवरी में खेली जाएगी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज, जिसे कई ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों के लिए आखिरी बड़ी चुनौती माना जा रहा है, जनवरी के मध्य या अंत में शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम की पुष्टि नहीं की है। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख खिलाड़ी जैसे पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन अब तक भारत में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाए हैं, इसलिए यह दौरा उनके लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया चार महीने में खेलेगा 10 टेस्ट

भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का कैलेंडर पुरुष और महिला टीमों के लिए सात महीनों तक फैला हुआ है, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के लिए यह कार्यक्रम बेहद चुनौतीपूर्ण है। पुरुष टीम को दिसंबर की शुरुआत से लेकर मार्च के मध्य तक सिर्फ 14 हफ्तों में 10 टेस्ट मैच खेलने हैं, जो अब तक का सबसे कठिन और थकाऊ कार्यक्रम माना जा रहा है। अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ घर से बाहर दो टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद, ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम अक्टूबर में साउथ अफ्रीका में तीन मैचों की बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस कार्यक्रम की एक बड़ी खासियत न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार चार टेस्ट मैचों की सीरीज है। साल 1999 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड तीन से ज्यादा टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। पहला मैच 9-13 दिसंबर के बीच पर्थ में, जबकि अगला मैच एडिलेड में 17-21 दिसंबर के बीच आयोजित होगा। मेलबर्न 26-30 दिसंबर के बीच चौथे टेस्ट और सिडनी 4-8 जनवरी के बीच चौथे टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। इस मैदान के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के चलते, टेस्ट शेड्यूल से गाबा को हटा दिया गया है। क्वींसलैंड, इसके बजाय, 22 से 26 अगस्त तक मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में बांग्लादेश के खिलाफ एक टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। इससे पहले, 13 से 17 अगस्त तक डार्विन में सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा।

भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच खेलेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

इसके बाद, ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए पांच मैच खेलेगी। जनवरी से मार्च 2027 तक चलने वाली यह सीरीज, मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में उनका आखिरी असाइनमेंट होगा, जिसमें पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम के लिए बहुत कुछ दांव पर होगा।

सफेद गेंद प्रारूप का कार्यक्रम

व्हाइट बॉल फॉर्मेट में, ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम 13 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच इंग्लैंड की मेजबानी करेगी, जिसमें तीन वनडे मैच और उसके बाद पांच टी20 मैच खेले जाएंगे। लिमिटेड-ओवर्स का यह चरण पर्थ में शुरू होगा और कैनबरा में समाप्त होगा, जिसमें मेलबर्न, सिडनी और ब्रिस्बेन सहित देश भर के विभिन्न स्थानों पर मैच खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम अपने कैलेंडर का समापन 11 से 15 मार्च तक इंग्लैंड के खिलाफ एक शानदार डे-नाइट टेस्ट मैच के साथ करेगी, जो पहले टेस्ट मैच की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर खेला जाएगा। यह एकमात्र टेस्ट मैच 11 से 15 मार्च तक प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा।

महिला टीमों का कार्यक्रम

इस बीच, ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम अक्तूबर में अपने ग्रीष्मकालीन सत्र की शुरुआत करेगी। ये टीम 9 से 22 अक्तूबर तक ऑस्ट्रेलियाई धरती पर बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली द्विपक्षीय सीरीज की मेजबानी करेगी।

इस सीरीज के सभी वनडे मैच ब्रिस्बेन में डे-नाइट फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जबकि तीन टी20 मैच नॉर्थ सिडनी ओवल में फ्लडलाइट्स में आयोजित होंगे। ये वनडे मैच महिला वनडे चैंपियनशिप का हिस्सा होंगे, जिससे महिला वनडे विश्व कप 2029 के लिए क्वालिफिकेशन और सीडिंग का निर्धारण होगा। इसके बाद, सोफी मोलिनेक्स की अगुवाई वाली टीम अगले साल फरवरी में न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी, जहां दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वहीं, फर्न्स 21 फरवरी से 7 मार्च 2027 के बीच 6 मैच खेलेंगी।

आकाश दीप की जगह 28 साल के सौरभ दुबे केकेआर में शामिल

कोलकाता

आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने वाला है। 19वें सीजन की शुरुआत से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स की फ्रेंचाइजी कई दिक्कतों का सामना कर रही है। टीम के दो तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। इस बीच फ्रेंचाइजी ने आकाश दीप के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया है। उनकी जगह उन्होंने तेज गेंदबाज सौरभ दुबे को शामिल किया है।एक रिपोर्ट के मुताबिक आकाश दीप के बाहर होने के बाद केकेआर ने सौरभ दुबे को टीम में शामिल करने का फैसला किया है। 28 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दुबे घरेलू क्रिकेट में विदर्भ के लिए खेलते हैं। वह पहले सनराइजर्स हैदराबाद की टीम का हिस्सा थे, लेकिन अभी तक उन्होंने आईपीएल में डेब्यू नहीं किया है। सौरभ दुबे को शामिल करने के बाद सुब्रतो बनर्जी ने कहा कि वह एक बहुत ही प्रतिभाशाली बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। मुझे याद है जब वह 2019 इमर्जिंग टीम्स एशिया कप के लिए राहुल द्रविड़ की देखरेख में बांग्लादेश दौरे पर गए थे। दुबे एक बेहतरीन गेंदबाज हैं और वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग करा सकते हैं। नाइट राइडर्स मैनेजमेंट का यह एक अच्छा फैसला है। उन्होंने राष्ट्रीय चयनकर्ता के तौर पर दुबे के खेल पर करीब से नजर रखी है।

महिला क्रिकेट : चौथा टी-20 मुकाबला

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से दी शिकस्त

सीरीज में बनाई 3-1 की अजेय बढ़त

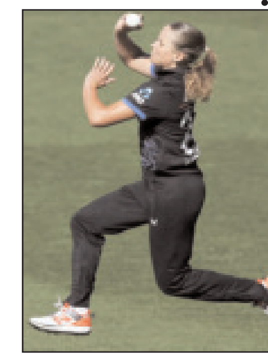

वेलिंग्टन

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही घरेलू टी-20 सीरीज जीत ली है। रविवार को खेले गए चौथे टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से हराकर सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड की तरफ से जेस कर ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में मात्र 16 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा कप्तान अमेलिया केर और सोफी डिवाइन को 1-1 विकेट मिला।

पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका की टीम ने 20 ओवर में 159/6 का स्कोर बनाया। टीम की ओर से एनेरी डर्कसेन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 8 चौके और एक छक्के की सहायता से नाबाद 55 रन बनाए और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। इसके अलावा सुने लुस ने 30 रन की पारी खेली। हालांकि, न्यूजीलैंड की गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर साउथ अफ्रीका को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया।

न्यूजीलैंड ने 160 रन का लक्ष्य 18.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने में सोफी डिवाइन ने एक बार फिर बड़ा योगदान दिया। डिवाइन ने 34 गेंदों पर 4 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 64 रन की पारी खेली। इसके अलावा कप्तान अमेलिया केर ने 31 और जॉर्जिया प्लिमर ने 29 रन बनाए। ब्रूक हैलिडे 16 और मैडी ग्रीन 9 रन बनाकर नाबाद रहीं।दक्षिण अफ्रीका के लिए क्लो ट्रायोन ने 2, जबकि एनेरी डर्कसन और एन मल्बा ने 1-1 विकेट लिए। न्यूजीलैंड की जेस कर प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।दक्षिण अफ्रीका के लिए क्लो ट्रायोन ने 2, जबकि एनेरी डर्कसन और एन मल्बा ने 1-1 विकेट लिए।

भारतीय टीम के साथ संभावित सीरीज को लेकर बांग्लादेश ने टाला आयरलैंड का दौरा

ढाका

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने गलत फैसले के चलते टूर्नामेंट से बाहर होने वाली बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बोर्ड ने अब बीसीसीआई से अपने संबंधों को सुधारने के प्रयास शुरू किए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इसी कड़ी में एक बड़ा फैसला लेते हुए सितंबर महीने में अपनी टीम के आयरलैंड दौरे को टालने का फैसला लिया है। बीसीबी के इस फैसले की सबसे बड़ी वजह पिछले काफी समय से टलता आ रहा भारतीय टीम का दौरा है जिसको लेकर अब वह इस कड़ी में अपने प्रयास को तेज करना चाहता है। साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए बांग्लादेश टीम के लिए घर पर भारत के साथ सीरीज काफी अहम मानी जा रही है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के एक सीनियर ऑफीशियल ने कहा कि भारत का दौरा सितंबर विंडो में आने के बाद आयरलैंड सीरीज को आगे के लिए टालने का प्रयास किया गया था। हालांकि आयरलैंड के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए अभी नए शेड्यूल को तय करना मुश्किल काम था। इसी को लेकर दोनों बोर्ड के बीच आपसी सहमति से इस सीरीज को साल 2027 में शेड्यूल करने की योजना बनाई जा रही है।

धमकी: पीएसएल छोड़ने वाले खिलाड़ियों पर लीगल एक्शन लेगा पाक क्रिकेट बोर्ड

लाहौर

पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 का आगाज 26 मार्च से होने वाला है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले कई इंटरनेशनल प्लेयर्स ने पीएसएल छोड़कर आईपीएल में खेलने का फैसला किया है। इस सीजन ब्लेसिंग मुजरबानी, दसुन शनाका जैसे बड़े प्लेयर्स ने पीएसएल को छोड़कर अब आईपीएल में खेलने का फैसला किया है। जाहिर तौर पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों को प्लेयर्स का ये रवैया पसंद नहीं आया। इस बीच पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने रविवार को उन इंटरनेशनल खिलाड़ियों के खिलाफ लीगल ऐक्शन लेने की धमकी दी है, जो पाकिस्तान सुपर लीग के आगामी सीजन के शुरू होने से ठीक पहले अपना नाम वापस ले रहे हैं।

कई विदेशी प्लेयर्स ने पीएसएल 2026 से नाम लिया वापस

पाकिस्तान सुपर लीग का हिस्सा रहे कई विदेशी प्लेयर्स ने इस महीने पीएसएल से हटने का फैसला किया है। पीएसएल छोड़ने के कुछ दिन बाद वह आईपीएल से जुड़ गए हैं। 22 मार्च को श्रीलंका के टी20 कप्तान दसुन शनाका ने आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बने हैं, जिसके बाद इस मामले पर नकवी ने चुप्पी तोड़ी है। श्रीलंका के शनाका आईपीएल नीलामी में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद पीएसएल में लाहौर कलंदर्स से जुड़े थे। लेकिन अब वह रिप्लेसमेंट के तौर परआईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़ गए हैं।

पीसीबी का कानूनी विभाग ले सकता है प्लेयर्स पर बड़ा एक्शन

नकवी ने यह भी कहा कि पीसीबी का कानूनी विभाग उन क्रिकेटरों के

मामले देख रहा है जिन्होंने आईपीएल खेलने के लिए पीएसएल के कॉन्ट्रैक्ट को कैंसिल किया है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आईपीएल के साथ टकराव से पीएसएल को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होगा। मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी पाकिस्तान सुपर लीग का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं।

खाली स्टेडियम में खेले जाएंगे मुकाबले

ईरान-अमेरिका -इस्राइल युद्ध के कारण क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पाकिस्तान सुपर लीग का पहला चरण दर्शकों के बिना होगा।

दिग्विजय कादियन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीसीआई स्नूकर क्लासिक 2026 जीता

मुंबई

पंजाब के क्यूइस्ट दिग्विजय कादियन ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए रविवार को यहां 13.5 लाख रुपये के सीसीआई स्नूकर क्लासिक 2026 के सर्वश्रेष्ठ 13 फ्रेम के फाइनल में पीएसपीबी के बृजेश दमानी को 7-1 से करारी शिकस्त दी।

दिग्विजय ने 88 (दूसरा फ्रेम), 67 (तीसरा फ्रेम), 91 (छठा फ्रेम) और 37 (आठवां फ्रेम के ब्रेक बनाकर 55-59, 88-17, 77-1, 83-73, 76-36, 92-0, 62-53 और 95-0 से जीत दर्ज की और अपना पहला सीनियर खिताब जीता। उन्हें 3.5 लाख रुपये का इनाम मिला, जबकि बृजेश को 1.75 लाख रुपये का चेक प्राप्त हुआ।

सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ी, शाहयान रज़मी और पासास गुप्ता को 80,000 रुपये का इनाम मिला।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को चौथे टी-20 में दी 19 रनों से मात, सीरीज 2-2 से बराबर

वेलिंगटन, न्यूजीलैंड

दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में वापसी करते हुए रविवार को चौथे टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 19 रनों से हरा दिया और सीरीज में 2-2 की बराबरी कर ली है। सीरीज का आखिरी टी-20 मुकाबला 25 मार्च को खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका ने मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 164 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रनों पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के लिए 165 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए टिम रॉबिन्सन ने नवोदित खिलाड़ी कैटेन क्लार्क के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत की। क्लार्क ने दो चौके लगाए, लेकिन मुल्डर के हाथों आउट हो गए। उन्होंने सिर्फ पांच गेंदों में नौ रन बनाए। रॉबिन्सन (22 गेंदों में 32 रन) ने डेन क्लीवर (16 गेंदों में 26 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 24 रनों की साझेदारी की। न्यूजीलैंड ने पावरप्ले में 50 से ज्यादा रन बनाए। हालांकि इस दौरान उसके दो विकेट भी गिरे। कैटेन क्लार्क के अलावा टिम रॉबिन्सन 32 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड का तीसरा विकेट नौवें ओवर में डेन क्लीवर के रूप में गिरा। उन्होंने 26 रन बनाए। इसके बाद बेवोन जैकब्स 3 रन और कप्तान जेम्स नीशम 6 रन बनाकर सस्ते में आउट हुए।14वें ओवर में निक केली 19 रन और कोल मैककॉन्ची 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अंत में जैकरी फॉल्क्स 7, जोश क्लार्कसन 10 रन और काइल जैमीसन 13 रन बनाकर आउट हुए और पूरी टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर सिमट गई। दक्षिण वेलिंगटन में खेले गए ने 19 रन से मैच जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए गेराल्ड कोएट्जी ने 3, ओटनील बार्टमैन, प्रेनेलन सुब्रायन और केशव महाराज ने 2-2 तथा वियान मुल्डर ने एक विकेट लिया।इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 164 रन बनाए थे। टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन ने सर्वाधिक 57 रनों की पारी खेली। जिसमें उन्होंने तीन छक्के और सात चौके लगाए। इसके अलावा टोनी डी जॉर्जी ने 23, रुबिन हर्मनन ने नाबाद 28 रन, डियान फोरेस्टर ने 19 और जेसन स्मिथ ने 19 रन बनाए और जॉर्ज लिंडे ने नाबाद 14 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमिसन ने 2, जैकरी फॉल्क्स, बेन सियर्स और कोले मैककॉन्ची ने 1-1 विकेट लिए दक्षिण अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइज़ेन को उनकी मैच-विनिंग पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।।

रोर-2026 में धोनी ने सैमसन-दुबे को किया सम्मानित, रैना-हेडन हॉल ऑफ फेम में शामिल

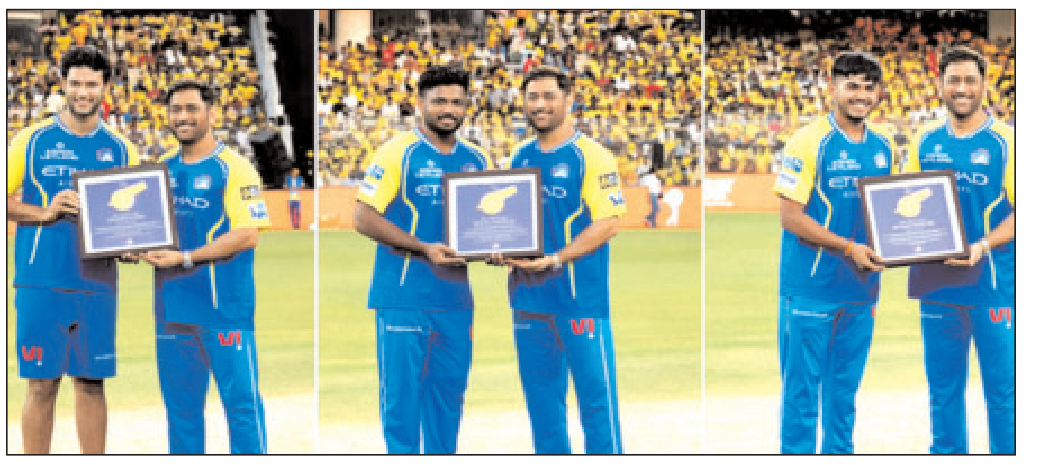

चेन्नई

आईपीएल 2026 के आगाज से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने घरेलू मैदान एमए चिदंबरम स्टेडियम में रोर 2026 इवेंट का भव्य आयोजन कर फैंस को पुराने सुनहरे पलों और नई उम्मीदों का शानदार संगम दिखाया। इस खास कार्यक्रम में फ्रेंचाइजी के पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों और मौजूदा स्क्वॉड ने एक साथ मंच साझा किया, जिससे स्टेडियम का माहौल पूरी तरह उत्सव में बदल गया।

सैमसन, दुबे और म्हात्रे को धोनी ने किया सम्मानित

इस दौरान धोनी ने संजू सैमसन, शिवम दुबे और अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान आयुष म्हात्रे को सम्मानित किया। खास बात यह रही कि सैमसन इस सीजन में पहली बार चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में नजर आएंगे, और वह टी20 वर्ल्ड कप 2026 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनने के बाद शानदार फॉर्म में हैं।

रैना और हेडन हॉल ऑफ फेम में शामिल

इवेंट में सीएसके ने अपने इतिहास में पहली बार हॉल ऑफ फेम की शुरुआत भी की, जिसमें सुरेश रैना और मैथ्यू हेडन को शामिल किया गया। चिन्ना थाला के नाम से मशहूर रैना ने 2008 से 2021 तक टीम के लिए 5529 रन बनाए और चार आईपीएल खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे, जबकि हेडन 2010 की चैंपियन टीम में शामिल रहे और 2009 में ऑरेंज कैप जीतकर इतिहास रचा।

दिग्गजों की मौजूदगी

इवेंट में अंबाती रायडू, माइकल हसी, मुथैया मुरलीधरन, हरभजन सिंह, लक्ष्मीपति बालाजी और ड्वेन ब्रावो सहित कई पूर्व दिग्गजों की मौजूदगी ने माहौल को और खास बना दिया। ।

एआर रहमान ने बांधा समां

इवेंट का समापन संगीत के साथ हुआ, जहां एआर रहमान समेत कई कलाकारों ने परफॉर्म किया। आईपीएल 2025 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चेन्नई सुपर किंग्स इस सीजन में नए जोश के साथ वापसी करना चाहेगी। टीम 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

श्रीलंकाई कप्तान ने अब पीएसएल को दिखाया ठेंगा, आईपीएल 2026 में राजस्थान रायल्स से खेलेंगे

नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग के 11वें सीजन का आगाज 26 मार्च से होना है, लेकिन उससे पहले ही कई विदेशी खिलाड़ियों ने अपना नाम वापस ले लिया है। इस लीग को छोड़ने वालों में एक नाम टी20 वर्ल्ड कप 2026 में श्रीलंकाई टीम की कप्तानी संभालने वाले ऑलराउंडर खिलाड़ी दसुन शनाका का भी जुड़ गया है, जो अब आईपीएल 2026 में राजस्थान रायल्स की ओर से खेलते हुए दिखाई देंगे। श्रीलंकाई टीम के कप्तान दसुन शनाका को पीएसएल 2026 में लाहौर कलंदर्स की टीम से खेलना था, लेकिन दसुन शनाका ने निजी कारणों का हवाला देकर पीएसएल से हटने का फैसला लिया है। अब शनाका को राजस्थान रॉयल्स ने सैम करन की जगह पर उनको अपने स्क्वाड का हिस्सा बना लिया है। राजस्थान रॉयल्स के एक ऑफीशियल ने एक बयान में शनाका को स्क्वाड में शामिल करने की पुष्टि भी की। ऑलराउंडर खिलाड़ी सैम करन के रिप्लेसमेंट की खोज राजस्थान रॉयल्स कर रही थी, जो ग्रोइन इंजरी के चलते इस पूरे सीजन से बाहर हो चुके हैं।

मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट-2026

यानिक सिनर ने जुमहुर को दी मात जोकोविच के रिकार्ड की बराबरी की

मियामी

यानिक सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मियामी ओपन के पहले राउंड के मुकाबले नें दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। सिनर ने नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में अपने खिताबी जीत के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में लगातार 24 सेट जीतकर नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

सिनर के पास आगे निकलने का मौका

सिनर के पास 30वीं वरीयता प्राप्त कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर जोकोविच से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था। जीत के बाद सिनर ने कहा, मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है। मेरे लिए मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूं और खुद को ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूं। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूं, कोर्ट पर आकर अच्छे रवैये के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूं। सिनर मियामी में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व में 2024 में वह चैंपियन रहे थे। इंडियन वेल्स में 2026 के लिए अपनी पहली ट्रॉफी उठाने के बाद, सिनर 2017 में रोजर फेडरर के बाद मशहूर सनशाइन डबल पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी तरफ, अलेक्जेंडर शेवचेंको ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में वापसी करते हुए जीत हासिल करके बेन शेल्टन को मियामी ओपन से बाहर कर दिया। शुक्रवार को मियामी ओपन के दूसरे दौर में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को अमेरिकी खिलाड़ी रेली ओपेल्का से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा, वहीं एथन क्विन ने 11वीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। ड्रेपर इंडियन वेल्स में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के बाद फ्लोरिडा पहुंचे थे। हाथ की चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद यह उनका दूसरा एटीपी टूर टूर्नामेंट था।

देवी दर्शन को जा रहे भक्त

पूजा-आराधना का सिलसिला जारी

मन से अशांति दूर करने के लिए भक्तों ने ली शरण

भोपाल (नगर संवाददाता)

चैत्र नवरात्र में भक्त माता की पूजा-आराधना में लीन हैं। मंदिरों में मत्था टेककर मां से अपने घर-परिवार में सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। सुबह से ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगने लग रही हैं। मां चामुंडा दरबार के पुजारी पं. रामजीवन दुबे और ज्योतिषाचार्य पं. जगदीश शर्मा के अनुसार देवी की उपासना से मन की अशांति और दुष्प्रवृत्तियां स्वतः नष्ट हो जाती है। देवी मंदिरों में नित नए श्रृंगार की श्रृंखला भी जारी है। देवी मंदिरों में विशेष आयोजनों का दौर जारी है। मां अन्नपूर्णा धाम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। परवलिया सड़क स्थित माता ममतामयी दरबार में प्रतिदिन विशेष पूजा की जा रही है। यहां रोजाना ब्रह्ममुहूर्त से ही देवीभक्तों का तांता लगने लगता है। माता मंदिर, काली बाड़ी, हमीदिया रोड, सिंधी कालोनी स्थित माता मंदिरों में विशेष आरती और माता के विशेष श्रृंगार का सिलसिला जारी है। देवास में माता चामुंडा, तरावली में माता हरसिद्धि और सलकनपुर में माता बिजयासन के दर्शनों के लिए राजधानी से श्रद्धालुओं के जत्थे पहुंच रहे हैं। माता वैष्णों देवी जम्मू-कश्मीर और मैहर शारदा मैया के दर्शन करने जाने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

- **मंदिरों में भव्य सजावट** : मंदिरों को आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की गई है। देवी जागरण और भजन संध्या का दौर जारी है। पं. रामजीवन दुबे के सानिध्य में मां चामुंडा दरबार में भक्त अर्जियां लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नवरात्र के दौरान हर धर्म के लोग अपने-अपने मतानुसार देवी की पूजा-आराधना करते हैं।
- **कुष्मांडा देवी की आराधना** : नवरात्र के चौथे दिन धन-धान्य की देवी कुष्मांडा की आराधना की गई। पांचवें दिन स्कंध माता, छठवें दिन माता कात्यायनी, सातवें दिन कालरात्रि,आठवें दिन महागौरी और अंतिम दिन नवमी को देवी के सिद्धिदात्री स्वरूप की आराधना होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भांडेर में किसान सम्मेलन में होंगे शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दतिया जिले के भांडेर में मंगलवार 24 मार्च को मण्डी प्रांगण में किसान सम्मेलन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दतिया जिले में 62 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। साथ ही विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन और शासन की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं का हितलाभ भी वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दतिया जिले के पीजी कॉलेज दतिया में विज्ञान संकाय भवन व केंटीन का निर्माण कार्य, माता रतनगढ़ समग्र विकास योजना में यात्री निवास भवन निर्माण कार्य और पुलिस लाइन परिसर में रक्षित निरीक्षक कार्यालय का निर्माण कार्य, 33/11 केव्ही 5 एमवीए उप-केन्द्र स्थापना कार्य एवं 3.15 एमवीए पॉवर परिणामित्र-2 स्थापना कार्य, सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भांडेर का निर्माण कार्य और ततारपुर स्टेडियम, पण्डोखर धाम के पास विश्राम गृह निर्माण कार्य एवं रामगढ़ माता मंदिर के पास विश्राम गृह निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

अप्रैल के पहले दिन से ही मिलेगी नि:शुल्क किताब, हर स्कूल का रखा जाएगा हिसाब

जिला शिक्षा अधिकारी ने दिए निर्देश, हर पात्र बच्चे को मिलेगी पहले ही दिन से साइकिल भी

भोपाल (नगर संवाददाता)

अप्रैल से प्रारंभ होने जा रहे नवीन शिक्षण सत्र के पहले ही दिवस से बच्चो को नि:शुल्क पुस्तकें मिलेंगी। प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को इसी दिन से साइकिल भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी प्राचार्यों एवं बीआरसीसी को निर्देश जारी किए हैं। इस कार्य की सतत रूप से समीक्षा भी की जाएगी।

एक अप्रैल से शिक्षा का नवीन सत्र प्रारंभ होने जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का कहना है कि सत्र की बेहतर तैयारियां की जा रही हैं। शासन के जो नियम और निर्देश हैं उनके अनुसार सभी को काम करना होगा। सत्र के प्रारंभिक दिन से ही बच्चों के एडमीशन कराये जाएंगे। सिर्फ दसवीं एवं बारहवीं के बच्चों को छोड़कर सभी क्लासों के स्टूडेंट को पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। अधिकारियों का कहना है कि पांचवीं आठवीं एवं अन्य लोकल परीक्षाओं का रिजल्ट 30 अप्रैल तक घोषित हो जाएगा। इसके बाद जो बच्चे आगे की कक्षाओं में पहुचेंगे उन सभी को पुस्तकें उपलबध कराई जाएंगी। जिन नये बच्चों का दाखिला होगा, एडमीशन के साथ ही उन्हें हाथ में पुस्तकें मिलेंगी। इस प्रकार के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

रिजल्ट के बाद तत्काल किया जाएगा चिंहित

शासन के नियम अंतर्गत सत्र के पहले ही दिन से हर पात्र बच्चे को साइकिल मिलेगी। सरकार की योजना अंतर्गत पांचवीं से छठवीं एवं आठवीं से नवीं में पहुंचे वह बच्चे जिनके यहां आगे की पढ़ाई के लिए स्कूल नहीं हैं। ऐसे विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल प्रदान की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि पांचवी एवं आठवीं का रिजल्ट निकलने के बाद ऐसे बच्चों को तत्काल चिन्हित किया जाएगा।

मिडिल-प्राइमरी में बीआरसीसी जिम्मेदार

मिडिल एवं प्राइमरी में पहली से आठवीं तक की पुस्तकों को वितरित कराने का दायित्व सभी बीआरसीसी का होगा। इनके पास बच्चों के संख्या मान से पाठ्य पुस्तक निगम से किताबें पहुंचा दी गई हैं। जबकि नवीं से बारहवीं तक की पुस्तकें प्राचार्य अपनी निगरानी में वितरित करवाएंगे। अफसरों का कहना है कि इस कार्य की सतत रूप से निगरानी की जाएगी। प्रतिदिन कितने बच्चों को पुस्तकें वितरित की गई हैं? इस प्रक्रिया का बकायदा पूरा हिसाब भी रखा जाएगा।

इनका कहना

सत्र के पहले ही दिन से बच्चों को पुस्तकें मिलेगी। जो पात्र बच्चे होंगे, उन्हें नि:शुल्क साइकिल भी वितरित की जाएगी। हमने इस संबंध में सभी प्राचार्य और बीआरसीसी को सख्त निर्देश दिए हैं।

नरेन्द्र अहिरवार
जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल

इल्लीगल गैंग की महिला सदस्य समेत तीन और आरोपी गिरफ्तार

बदमाश भूरा हड्डी और उसके बॉयफ्रेंड तौफिक ने युवती को पुजारी के कमरे में हंगामा करने को कहा था, अब तक गैंग के 11 आरोपी किए गए गिरफ्तार

भोपाल (नगर संवाददाता)

कोहेफिजा पुलिस ने पुजारी को हनीट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल करने वाली इल्लीगल गैंग की महिला सदस्य तनु, उसके बॉयफ्रेंड तौफिक उर्फ शूटर और रोहन उर्फ सन्नाटा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में महिला आरोपी ने बताया कि गैंग के मास्टरमाइंड आकाश नीलकंठ उर्फ भूरा हड्डी और तौफिक ने उसे पुजारी को जाल में फंसाने के लिए तैयार किया था। घटना से एक दिन पहले ही पूरी साजिश रची गई थी। योजना के तहत उसे पुजारी के कमरे में जाकर हंगामा करने और डर का माहौल बनाने के लिए कहा गया था, ताकि पीड़ित से आसानी से पैसे वसूले जा सकें। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी भूरा हड्डी को अपनी शादी के लिए पैसों की जरूरत थी, जिसके चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस के अनुसार, विगत 9-10 मार्च की रात को गैंग ने पुजारी को हनीट्रैप में फंसाकर उसका अपहरण कर लिया था। इसके बाद मारपीट करते हुए उसे ब्लैकमेल कर आठ लाख रुपए की डिमांड की गई थी। पहली किस्त के रूप में 50 हजार रुपए लेने के बाद पुजारी को छोड़ दिया गया, जबकि बाकी रकम पांच किस्तों में लेने की बात तय की गई थी।

मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने गैंग के मास्टरमाइंड आकाश नीलकंठ उर्फ भूरा हड्डी को उसकी ही बारात के दिन गिरफ्तार कर लिया था। अब तक इस मामले में कुल 11 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य गिरफ्तार आरोपियों में रामजी ठाकुर, आकाश उपाध्याय, अभिषेक मीणा उर्फ बबलू, नीरज खानगे, अमित ओसवाल उर्फ मन्नू, प्रदीप उर्फ प्रदुम और अरोरा उर्फ रांगा शामिल है। पूर्व में सभी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

एनएचएआई की पहल : 10 लाख टन पुराने कचरे से बनेंगी सड़कें, शहर को मिलेगी प्रदूषण से राहत

भोपाल (नगर संवाददाता)

शहर के आदमपुर खंती में वर्षों से जमा कचरे का पहाड़ अब खत्म होने की दिशा में बढ़ रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इस पुराने कचरे को सड़क निर्माण में उपयोग कर एक नई मिसाल पेश की है। अयोध्या बायपास के करीब 16 किलोमीटर लंबे चौड़ीकरण कार्य में इस कचरे का उपयोग किया जा रहा है, जबकि भोपाल-रायसेन-सागर मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग-146) में भी इसे शामिल किया जा रहा है।

आदमपुर खंती का कचरा अब बनेगा राजमार्ग की नींव

स्थानीय लोगों को मिलेगी राहत-आदमपुर खंती के आसपास रहने वाले लोगों को लंबे समय से बदबू, धुएं और प्रदूषण की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण से इन समस्याओं में कमी आएगी और क्षेत्र का वातावरण स्वच्छ होगा।

10 लाख टन कचरे का उपयोग

परियोजना के तहत करीब 10 लाख मीट्रिक टन ठोस कचरे को प्रसंस्कृत कर निर्माण कार्य में इस्तेमाल किया जाएगा। उपयोग से पहले कचरे के नमूनों की प्रयोगशाला में जांच कराई जा रही है, जिससे गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके।

वैज्ञानिक प्रक्रिया से तैयार हो रही सड़क

सड़क निर्माण के लिए कचरे को पहले अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जाता है। प्लास्टिक, धातु, कांच, जैविक और जड़ (मिट्टी/मलबा)। इसके बाद उपयोगी सामग्री का प्रसंस्करण किया जाता है। प्लास्टिक को छोटे-छोटे टुकड़ों में बदलकर डामर में मिलाया जाता है, जिससे मजबूत मिश्रण तैयार होता है।

तीन आर सिद्धांत पर आधारित पहल

यह पहल 'रिड्यूस, रीयूज़ और रिसाइकिल' (3आर) सिद्धांत पर आधारित है। इसका उद्देश्य कचरे का अधिकतम उपयोग कर भूमि भराव स्थलों पर निर्भरता कम करना और स्वच्छता के साथ टिकाऊ विकास को बढ़ावा देना है। इससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी घटेंगे।

ज्यादा टिकाऊ और मजबूत सड़कें

विशेषज्ञों के अनुसार प्लास्टिक कचरे से बनी सड़कें अधिक टिकाऊ होती हैं। इनमें दरारें कम पड़ती हैं और पानी का असर भी कम होता है, जिससे सड़क की आयु बढ़ जाती है।

देशभर में अपनाया जा रहा मॉडल... सड़क निर्माण में प्लास्टिक कचरे के उपयोग को लेकर केंद्र सरकार ने वर्ष 2015 में दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसके बाद दिल्ली-मेरठ द्रुतमार्ग सहित कई परियोजनाओं में इसका सफल उपयोग किया जा चुका है।

पर्यावरण और विकास का संतुलन

यह पहल पर्यावरण संरक्षण और आधारभूत संरचना विकास के बीच संतुलन स्थापित करती है। इससे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा और निर्माण लागत में भी कमी आएगी।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय साहित्य संवाद आज से

- **राष्ट्रचेता स्व. गुरुदत्त जी की स्मृति में होगा आयोजन**

भोपाल (नगर संवाददाता)

राष्ट्रचेता स्व. गुरुदत्त जी की स्मृति में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय साहित्य संवाद का आयोजन 23 मार्च से श्यामलाहिल्स स्थित एनआईटीटीटीआर परिसर में किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 11 बजे वंदेमातरम् गीत विभाजन से राष्ट्र विभाजन की यात्रा के बीज वक्तव्य के साथ होगा।

वहीं 24 मार्च को शाम 4 बजे साहित्य अकादमी के इस कार्यक्रम के समापन समारोह में संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी बतौर मुख्यअतिथि मौजूद रहेंगे। साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने बताया कि वंदे मातरम् के गीत के प्रणयन के 150 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्रीय चेतना की यज्ञ वेदी में स्वयं को शाकल्य की तरह होम करने वाले राष्ट्रचेता रचनाधर्मी स्वर्गीय गुरुदत्त का स्मरण किया जाएगा।

पहले दिन तीनसत्र होंगे

दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान और मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन 23 मार्च को तीन सत्रों में कार्यक्रम होंगे। इस दौरान वंदेमातरम का गीत और संगीत, बाल साहित्य में राष्ट्र वंदना और वैश्विक परिदृश्य में भारत से बाहर भारत पर विमर्श के साथ गाथा वंदे मातरम की कथा-कथन होगा।

जबकि दूसरे दिन 24 मार्च को चौथे और पांचवें सत्र में लोक साहित्य में देश भक्ति के विविध आयाम, दुर्गा-दश-प्रहरण धारिणी और राष्ट्र, राज्य और नेशन पर मंथन के बाद इसका समापन सत्र होगा।

सड़क दुर्घटना में दो व्यक्तियों की मौत

- **कार को मारी टक्कर ब्रिज के पिलर से टकराकर सड़क किनारे पलटी, दोस्त जख्मी**

भोपाल (नगर संवाददाता)

बीते चौबीस घंटों के दौरान अलग-अलग दो स्थानों पर हुए सड़क दुर्घटनाओं में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। हादसे में दो लोग जख्मी भी है। यह हादसे खजूरी सड़क और मिसरोद थाना क्षेत्र में हुए हैं। जिसमें फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिए हैं।

खजूरी सड़क थाना पुलिस के अनुसार शनिवार-रविवार की दरमियानी रात लगभग डेढ़ बजे कोलूखेड़ी गांव के पास कार को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। कार में गौरव सिंह पिता स्वर्गीय शिवराज सिंह उम्र 30 साल और सुयश चौधरी उर्फ लक्की सवार थे। गौरव सिंह फिलहाल अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित बीडीए रोड पर श्रीधाम वाटिका कॉलोनी में रहते थे। हालांकि वे मूलतः मुरैना जिले के अंबाह के रहने वाले थे।

वह भोपाल में टूर एंड ट्रैवल्स का कारोबार करते थे। उनके रिश्तेदार के निधन की सूचना मिलने पर वे अपने दोस्त के साथ इंदौर जा रहे थे।

मिसरोद में युवक की मौत

इधर, मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित सलैया के पास लक्ष्मी आटा चक्की के नजदीक हुई सड़क दुर्घटना में जख्मी रितेश जाटव पिता तोरण सिंह जाटव उम्र 21 साल की मौत हो गई। वह 18 मार्च की शाम लगभग पौने पांच बजे मोटर साइकिल चलाते वक्त डिवाइडर से टकराकर जख्मी हो गया था। रितेश जाटव कोलार रोड थाना क्षेत्र स्थित शिवालय परिसर में रहता था। वह मजदूरी करता था। हादसे में घटना वाले दिन उसका दोस्त अनुज सेन भी था। उसे सामान्य चोटें आई हैं। जबकि रितेश जाटव पहले अपोलो सेज फिर वहां से ट्रिनिटी अस्पताल में भर्ती रहा।

दूध और दूध से बने उत्पादों के नमूना परीक्षण रिपोर्ट में खुलासा

मिलावटी दूध : मध्यप्रदेश में दूध के 13 प्रतिशत सैंपल अमानक

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में दूध की गुणवत्ता जांचने के लिए गये सैंपलों के परिणाम बताते हैं कि पिछले तीन सालों में औसतन 13-16 फीसदी सैंपल अमानक पाये गये हैं। कमोबेश इस साल भी अमानक या मिलावटी दूध के अमानक सैंपलों की संख्या भी कमोबेश यही रहने वाली है। इसमें पानी से लेकर कुछ हानिकारिक रसायन और अखाद्य पदार्थ मिले हैं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार अमानक दूध पाये जाने की रिपोर्ट में यह बात सामने आयी है कि अधिकतर उन इलाकों में मिलावट के मामले अधिक हैं, जहां दूधारू पशुओं की कमी है। साफ जाहिर है कि प्रदेश

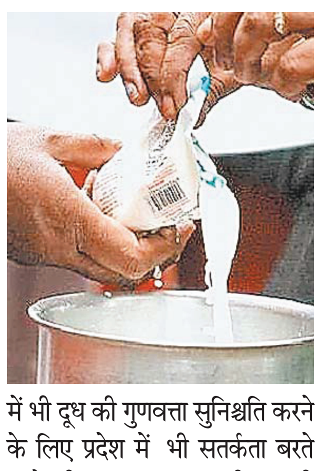

में भी दूध की गुणवत्ता सुनिश्चति करने के लिए प्रदेश में भी सतर्कता बरते जाने की जरूरत महसूस की जा रही है। फिलहाल नवरात्रि के दौरान हैदराबाद में सामने आई ह्दय विदारक घटना के बाद मध्यप्रदेश के लोगों को भी चिंता में डाल दिया है।

दरअसल अन्य राज्यों की तरह अमानक दूध का कारोबार यहां भी पैर पसार चुका है। यह बात दूसरी है कि मप्र सरकार की सजगता और खाद्य औषधि प्रशासन की तरफ से त्योहारों दौरान चलाये गये विशेष अभियानों ने इस पर लगाम कसी है। बावजूद पिछले दो सालों के नमूना परीक्षणों की रिपोर्ट बताती है कि राज्य की जनता के स्वास्थ्य के साथ चल रहा खिलवाड़ पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। साल 2024-25 में ही यहां 13 प्रतिशत नमूने मिलावटी मिले हैं। इसमें सर्वाधिक दूध और उससे बने उत्पाद हैं। इससे पहले वर्ष 2022-23 में मिलावट का यह प्रतिशत 16.73 तक था।

नमूनों के आंकड़े एक नजर में

उत्पाद	2024-25	2023-24	2022-23
विश्लेषित नमूने	7091	13998	12507
अमानक	924	2022	2092
प्रतिशत	13.0	14.44	16.73

कारोबारी पर कस चुका है शिकंजा

अमानक डेयरी उत्पाद तैयार करने और उसे विदेशों में भेजने के प्रमाण मिलने के बाद प्रर्वतन निदेशालय शिकंजा भी कस चुका है। मिल्क मैजिक ब्रांड के तहत मिलावटी डेयरी उत्पादों का निर्माण और निर्यात कर रही थी। आरोप है कि असली मिल्क फैट की जगह पाम ऑयल और अन्य हानिकारक रसायनों का उपयोग कर हो रहा था।

मिलावट में कमी

अन्य राज्यों के मुकाबले मध्यप्रदेश में दूध और दूध से बने उत्पादों में मिलावट में कमी आयी है। हम त्यौहारों को देखते हुए नमूने इकट्ठे करने सघन अभियान चला रहे हैं। दूध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की हर कोशिश की जा रही है।

-**डीके वर्मा**, अधिशासी अधिकारी, खाद्य सुरक्षा प्रशासन मध्यप्रदेश

4.38 लाख करोड़ का बजट बढ़ाएगा आर्थिक विकास की गति

मध्यप्रदेश की जीएसडीपी 18.48 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में वर्ष 2026-27 के दौरान अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के संकेत मिल रहे हैं। राज्य की सकल राज्य घरेलू उत्पाद 18.48 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जो वर्ष 2025-26 के 16.48 लाख करोड़ रुपये से उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।

सरकार ने 2026-27 के लिए 4,38,317 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया है, जिसमें विकास, अधोसंरचना और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। बजट में 44 करोड़ रुपये के राजस्व आधिक्य का भी अनुमान है, जो राज्य की मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। विकास कार्यों को गति देने के लिए 80,266 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय प्रस्तावित किया गया है, जो जीएसडीपी का लगभग 4.80 प्रतिशत है। इससे औद्योगिक निवेश, शहरी विकास और ग्रामीण अधोसंरचना को बढ़ावा मिलेगा। कृषि क्षेत्र को विशेष महत्व देते हुए 88,910 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो गैर-बजटीय संसाधनों सहित लगभग 1.15 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचता है। यह किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को आधुनिक बनाने में सहायक होगा। महिला सशक्तिकरण के तहत लाड़ली बहना योजना के लिए 23,800 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के लिए 5,500 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 4,600 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कुल 23,747 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)